वर्ष-11 अंक-36 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, शुक्रवार 11 अप्रैल 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटर्वक

Download From Google Play

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

एलजी और सीएम ने वजीराबाद में किया निरीक्षण, रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश वर्मा ने आज वजीराबाद में बने सप्लीमेंट्री ड्रेन का निरीक्षण किया। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश वर्मा आज वजीराबाद पहुंचे। जहां उन्होंने नाले की सफाई के काम का निरीक्षण किया। दोनों ने वजीराबाद में नाले की सफाई कार्य का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जितने बड़े नाले हैं। उसका निरीक्षण सरकार द्वारा किया गया। यमुना की सफाई के लिए 22 नालों की गाद निकालने का काम लगातार किया जा रहा है। पिछली बार और आज के निरीक्षण में बहुत बड़ा फर्क आ गया है। काम बहुत तेजी से हो रहा है। कई मशीनें लगाई गई हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सफाई कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।दिल्ली में जीवनदायिनी यमुना को प्रदूषण और अतिक्रमण से बचाने के लिए सरकार ने इसके रिवर फ्रंट पर टेरिटोरियल आर्मी तैनात करने की योजना बनाई है। ये नदी के प्राकृतिक सौंदर्य की सुरक्षा करेगी और अनधिकृत खुदाई, अतिक्रमण और नदी में कूड़ा करकट न फेंकने के प्रति लोगों को जागरूक करेगी। इस पहल से यमुना को नया जीवन मिलने की उम्मीद है।दिल्ली सरकार ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा था कि यमुना नदी भाजपा सरकार के एजेंडे का सबसे अहम विषय है। यमुना की सफाई, इसके प्राकृतिक स्वरूप की रक्षा, पवित्रता और इसे दर्शन योग्य बनाए रखना सरकार का मुख्य फोकस है। जल्द ही सीएम रेखा गुप्ता इस संबंध में रक्षा विभाग को पत्र लिखेंगी।

केंद्र-एनडीएमए बैंकों को पीड़ितों का ऋण माफ करने के लिए कह सकते हैं', हाईकोर्ट की टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। न्यायमूर्ति ए.के. जयशंकरन नांबियार और ईश्वरन

एस की पीठ ने कहा कि वह केंद्र और एनडीएमए को बैंकों से ऋण माफ करने के लिए कहने के लिए प्रेरित करने वाला आदेश पारित करेगी। पीठ ने बताया कि केरल बैंक ने आपदा पीड़ितों का ऋण माफ कर दिया थे और उस पर करीब पांच करोड़ रुपये का कर्ज था। अगर केरल बैंक ऐसा कर सकता है, तो अन्य बैंक, जिनका ऋण कम है, भी ऐसा कर सकते हैं। बस इसके लिए एनडीएमए और केंद्र सरकार की ओर से केवल थोड़ा सा दबाव डालने की जरूरत है।पिछले सप्ताह केंद्र की ओर से केरल हाईकोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया गया था। इसमें कहा गया था कि आरबीआई के प्राकृतिक आपदाओं पर मास्टर निर्देशों के अनुसार वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के ऋणों का केवल पुनर्गठन या पुनर्निर्धारण किया जा सकता है। कोर्ट ने इस हलफनामे के आधार पर टिप्पणी की। इसके अलावा पीठ ने राज्य सरकार को मलबा हटाने सहित पर्याप्त उपाय करने के भी निर्देश दिए। ताकि पिछले साल जैसी आपदा फिर न आए। हाईकोर्ट ने कहा कि मानसून से पहले तैयारी के उपाय शुरू हो जाने चाहिए। अब बारिश शुरू हो चुकी है। एनडीएमए को इस साल किसी भी संभावित आपदा को टालने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

बंगाल में बनाए जाते हैं घुसपैठियों के आईडी कार्ड;ममता के हटने पर हल हो जाएगी घुसपैठ की समस्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा

है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि जब बंगाल ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करेगा तो वहां घुसपैठ की समस्या खत्म हो जाएगी। इस दौरान उन्होंने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव जेडी(यू) नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब पश्चिम बंगाल की जनता मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर कर देगी और राज्य में भाजपा की सरकार बनाएगी, तो घुसपैठ का मुद्दा सुलझ जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को एक कार्यक्रम बांग्लादेश में वर्तमान राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर अवैध घुसपैठ की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि उनके पास पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए एक सरल सुझाव है। अगर बंगाल के लोग मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को हटाकर भाजपा की सरकार लाते हैं, तो समस्या का समाधान हो जाएगा और (भारत-बांग्लादेश सीमा पर) अपराध रुक जाएंगे गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी कहती हैं कि घुसपैठ के लिए केंद्र सरकार के अधीन आने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि वही अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करता है। उन्होंने कहा, मेरा उनसे सवाल है कि ऐसे घुसपैठियों के वोटर आईडी कार्ड और आधार कार्ड किसने बनाए। ये सभी वोटर कार्ड उत्तर 24 परगना जिले में बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन को उनमें (घुसपैठियों में) वोट बैंक दिखता है।

दो वजहों से तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हुआ सफल, ये भारत के बढ़ते कद का सबूत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। हालांकि ये राह आसान नहीं रही और मुंबई हमले के

साजिशकर्ता राणा ने अपना प्रत्यर्पण रोकने की काफी कोशिश की, लेकिन भारत के प्रयासों के सामने उसकी एक न चली। तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण देश की कूटनीति की बड़ी जीत है। तहव्वुर राणा को लेकर एनआईए की टीम आज नई दिल्ली पहुंच जाएगी। न्यूज एजेंसी एनआईए ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि तहव्वुर राणा को भारत लाना काफी मुश्किल था, लेकिन दो तथ्यों ने आतंकी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को आसान बना दिया। पहला फैक्टर है कानूनी दांव-पेच, दरअसल तहव्वुर राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दोहरे खतरे सिद्धांत (अदल्त वर्द्ज़्ब्) का हवाला दिया था। इसके तहत किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक से अधिक बार सजा नहीं दी जा सकती। तहव्वुर राणा ने तर्क दिया कि मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में वह अमेरिका में सजा काट चुका है, ऐसे में उसे अब भारत प्रत्यर्पित करना दोहरे खतरे के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। हालांकि भारत का प्रतिनिधित्व एक मजबूत कानूनी टीम कर रही थी, जिसने अपने तर्कों से तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण से बचने की हर कोशिश को नाकाम कर दिया। दूसरा फैक्टर है भारत का बढ़ता हुआ कूटनीतिक प्रभाव, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण भारत की बढ़ती हुई कूटनीतिक पहुंच, इसके अमेरिका के साथ मजबूत संबंधों का सबूत है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व की बाइडन सरकार या मौजूदा ट्रंप सरकार दोनों ने ही तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दी। ट्रंप ने तो अपने एक बयान में साफ कर दिया था कि तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा। तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण में कई बार मुश्किलें भी आईं, लेकिन भारत ने अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों का फायदा उठाते हुए उन मुश्किलों को समाप्त कर दिया। तहव्वुर राणा एक पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक है, जो पाकिस्तानी सेना में भी काम कर चुका है। तहव्वुर राणा को आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के लिए काम करने के लिए दोषी पाया गया था। वह साल 2009 से अमेरिका की जेल में बंद था। अब भारत लाकर उसे 2008 के मुंबई हमले के मामले में न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। केंद्र सरकार ने नरेंद्र मान को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है, जो एनआईए की तरफ से सुनवाई में शामिल होंगे।

निजी शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण लागू करना चाहती है कांग्रेस, अहमदाबाद अधिवेशन में प्रस्ताव पारित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रस्ताव में दावा किया गया है कि चीन ने भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा ली

है, लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार कुछ नहीं कर रही है और यथा स्थिति बरकरार रखने में विफल रही है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बना रहा है, इस पर कांग्रेस ने चिंता जाहिर की है और कहा है कि इससे भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को खतरा बढ़ेगा।अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें केंद्र की भाजपा सरकार पर संविधान पर लगातार हमले करने का आरोप लगाया है। प्रस्ताव में कांग्रेस पार्टी की जिला ईकाई को मजबूत कर पार्टी के संगठन को मजबूत करने की बात भी कही गई है। साथ ही कांग्रेस ने इस प्रस्ताव में निजी शैक्षिक संस्थानों में दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने की भी बात कही है। कांग्रेस ने अपने प्रस्ताव न्याय पथ में भाजपा की विदेश नीति की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस की सरकारों में वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी। प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस सरकारों की विदेश नीति भारत के हित साधने और वैश्विक तौर पर संतुलन बनाए रखने और बातचीत से मुद्दों का हल निकालने के समर्थक के तौर पर थी, लेकिन मौजूदा सरकार व्यक्तिगत छवि बनाने के लिए भारत की विदेश नीति से समझौता कर रही है। प्रस्ताव में दावा किया गया है कि चीन ने भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा ली है, लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार कुछ नहीं कर रही है और यथा स्थिति बरकरार रखने में विफल रही है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बना रहा है, इस पर कांग्रेस ने चिंता जाहिर की है और कहा है कि इससे भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को खतरा बढ़ेगा। प्रस्ताव में बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के उभार पर भी चिंता जताई गई है, जिससे वहां रह रहे अल्पसंख्यकों के लिए खतरा बढ़ा है।कांग्रेस ने प्रस्ताव में कहा है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते मानवीय त्रासदी हुई है और गाजा में हजारों लोग मारे गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अलग फलस्तीन देश और विवाद के शांतिपूर्ण समझौते के पक्ष में है। प्रस्ताव में अमेरिका को लेकर कहा गया है कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंध हैं, लेकिन ये भारत के हितों की कीमत पर नहीं होने चाहिए। कांग्रेस ने अमेरिका द्वारा भारत पर भारी भरकम टैरिफ लगाने और भारतीय अप्रवासियों को बेइज्जत कर भारत भेजने पर भी नाराजगी जताई और इसे सरकार की विफलता बताया। कांग्रेस ने प्रस्ताव में कहा है कि वे एमएसपी को लेकर कानून बनाने के लिए समर्पित हैं। कांग्रेस का कहना है कि वे कुल लागत का 5 प्रतिशत एमएसपी देने का कानून लेकर आएंगे। साथ ही किसानों को कर्ज मुक्त करने के लिए भी कदम उठाएंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि मनमोहन सिंह की सरकार में देश की जीडीपी 8 प्रतिशत थी और उस दौरान करोड़ों लोगों को गरीबी से निकाला गया था, लेकिन मौजूदा सरकार में असमानता बढ़ी है और आज चुनिंदा पूंजीपतियों के पास पूरी ताकत है। कांग्रेस के प्रस्ताव में महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी सरकार पर निशाना साधा गया है। कांग्रेस ने सरकार पर सरकारी कंपनियों के निजीकरण करने का आरोप लगाया।

विश्वासघात', प्रियंका ने वायनाड भूस्खलन के लिए ऋण माफी न करने पर केंद्र को सुनाई खरी-खोटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केरल में पिछले साल भीषण तबाही मची थी। 30 जुलाई को मुंदक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में एक बड़ा भूस्खलन हुआ था, जिससे दोनों क्षेत्र लगभग तबाह

हो गए थे। आपदा में सैकड़ों लोग घायल हुए, 200 से अधिक लोगों की जान चली गई और 32 लोग अब भी लापता हैं।कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को जमकर निशाना साधा है। दरअसल, केंद्र सरकार ने केरल उच्च न्यायालय को यह बताया था कि पिछले साल वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के ऋण माफ नहीं किए जाएंगे। इसे लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने गुरुवार को कहा कि यह विश्वासघात है। हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं।केंद्र सरकार ने केरल हाईकोर्ट में दलील दी कि पिछले साल जुलाई में वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के ऋण माफ नहीं किए जाएंगे। इसके बजाय उन्हें प्राकृतिक आपदाओं पर आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुसार पुनर्निर्धारित या पुनर्गठित किया जाएगा। दरअसल, कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि क्या प्रभावित व्यक्तियों की ओर से लिए गए ऋण माफ किए जा सकते हैं? केंद्र ने पहले जस्टिस एके जयशंकरन नांबियार और ईश्वरन एस की पीठ को सूचित किया था कि प्रस्तावित उपाय भूस्खलन पीड़ितों द्वारा लिए गए ऋणों पर रोक और पुनर्गठन तक सीमित हैं। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद वाड्रा ने कहा, 'हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं और वायनाड में अपने भाइयों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। वायनाड भूस्खलन पीड़ितों ने अपना सब कुछ खो दिया है- घर, जमीन, आजीविका। फिर भी सरकार ऋण माफी करने से इनकार कर रही है। इसके बजाय उन्हें केवल ऋण पुनर्निर्धारण और पुनर्गठन का सहारा दिया जा है उन्होंने कहा कि यह राहत नहीं है। यह विश्वासघात है। हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं और वायनाड में अपने भाइयों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनके दर्द को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। हम न्याय मिलने तक हर मंच पर उनकी आवाज उठाएंगे। हलफनामे में केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कहा कि पिछले साल 19 अगस्त को केरल की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की एक विशेष बैठक हुई थी। बैठक में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी शामिल हुए थे। इसमें समिति ने प्राकृतिक आपदाओं पर आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुरूप लागू राहत उपायों को बढ़ाने का फैसला किया था।आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुसार, प्राकृतिक आपदा की स्थिति में अपनाए जाने वाले वित्तीय राहत उपायों में मौजूदा ऋणों का पुनर्गठन या पुनर्निर्धारण शामिल है। इसके लिए एक वर्ष की मोहलत और नए ऋणों का प्रावधान होगा।

भारत-रूस छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहमत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत-रूस छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहमत हुए हैं। निवेश फोरम में दोनों देशों के 80 से अधिक व्यवसायों की उत्साहपूर्ण भागीदारी हुई। रचनात्मक माहौल में चर्चाओं के बाद दोनों देशों के अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भारत और रूस के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर अहम जानकारी दी है। दोनों देश निवेश सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों देशों के बीच छह नई रणनीतिक परियोजनाओं को लेकर समझौते हुए हैं। भारत-रूस कार्य समूह के एक सत्र के दौरान इस पर सहमति बनी। बुधवार को सरकार की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक भारत और रूस द्विपक्षीय निवेश सहयोग को गहरा करने के लिए छह नई रणनीतिक परियोजनाओं पर सहमत हुए हैं। हालांकि, मंत्रालय ने छह नई रणनीतिक परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। भारत-रूस ने व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ रखने के लिए अंतर-सरकारी आयोग का गठन किया है। आयोग व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े मुद्दे पर मंथन करता है। भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के तहत भारत-रूस कार्य समूह (आईआरडब्ल्यूजी-पीआईपी) ने प्राथमिकता निवेश परियोजनाओं पर बात की।

वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन का आगाज दिल्ली में, 40 से अधिक देश के लोग होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (जीटीएस) भू-प्रौद्योगिकी पर भारत का प्रमुख संवाद है, जिसकी सह-मेजबानी विदेश मंत्रालय (एमईए) और कार्नेगी इंडिया की ओर से की जाती है। वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (जीटीएस) का 9वां संस्करण 10-12 अप्रैल को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय 'तकनीक में संभावना' है। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन से शुरू होगा। जीटीएस भू-प्रौद्योगिकी पर भारत का प्रमुख संवाद है, जिसकी सह-मेजबानी विदेश मंत्रालय (एमईए) और कार्नेगी इंडिया की ओर से की जाती है। बुधवार को जारी बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार, लचीलापन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर फोकस करते हुए वैश्विक प्रौद्योगिकी नीति वार्तालापों को आकार देना है। तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में 40 से अधिक सत्र होंगे। इसमें मुख्य भाषण, मंत्रिस्तरीय बातचीत, विशेषज्ञ पैनल और रणनीतिक बातचीत भी शामिल हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, ब्राजील, यूएई, नाइजीरिया, फिलीपींस और यूरोपीय संघ सहित 40 से अधिक देशों के 150 से अधिक वक्ता दुनिया के सामने सबसे अधिक दबाव वाली तकनीकी चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा में शामिल होंगे। विभिन्न सत्रों में एआई गवर्नेंस, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और डेटा सुरक्षा से लेकर साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा और वैश्विक दक्षिण में उभरते तकनीकी सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। बयान में कहा गया है कि जीटीएस 2025 अगली पीढ़ी की आवाज़ को भी बुलंद करेगा। जीटीएस यंग एंबेसडर प्रोग्राम के माध्यम से, भारत भर के छात्र और युवा पेशेवर डिजिटल भविष्य, जिम्मेदार एआई और वैश्विक तकनीकी मानदंडों पर नीतिगत बातचीत में सीधे योगदान देंगे।

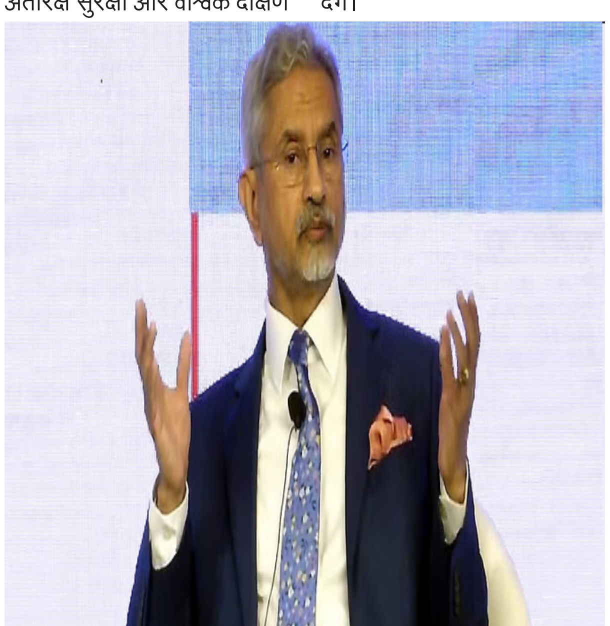

तेलंगाना के भाजपा विधायक पर लगे गंभीर आरोप, पुलिस को आपराधिक धमकी का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तेलंगाना में भाजपा

विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। मामला रामनवमी जुलूस पर टिप्पणी और नियमों के उल्लंघन का है। राजा पर असंसदीय भाषा के इस्तेमाल और पुलिस को आपराधिक धमकी देने के आरोप भी लगे हैं। तेलंगाना के भाजपा विधायक पर लगे गंभीर आरोप, पुलिस को आपराधिक धमकी का मामला।

मौत के खतरे को कई गुना तक बढ़ा रहा भीषण गर्मी में बढ़ता प्रदूषण, भारत के लिए गंभीर जीवन संकट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बढ़ती गर्मी और प्रदूषण दोनों मिलकर भारत के शहरों में मृत्यु दर को कई गुना बढ़ा रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, जब तापमान और वायु प्रदूषण एक साथ चरम पर होते हैं, तो इसका प्रभाव बहुत अधिक घातक होता है। हाल ही के मौसम के आंकड़े भी गर्मी के बढ़ते खतरे को दिखाते हैं, जो भारत में, खासकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर रहे हैं।भारत के शहर हर साल दो बेहद खतरनाक लेकिन अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले खतरे भीषण गर्मी और जहरीली हवा को झेलते हैं। जब ये दोनों एक साथ आती हैं तो उनका प्रभाव न सिर्फ घातक होता है बल्कि मौत के खतरे को कई गुना तक बढ़ा देता है।स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायर्नमेंटल मेडिसिन का अध्ययन बताता है कि जिन दिनों में वायु प्रदूषण और अत्यधिक तापमान एक साथ चरम पर होते

हैं, उन दिनों मृत्युदर में अप्रत्याशित इजाफा होता है। यह प्रभाव उस स्थिति से कई गुना अधिक होता है जब केवल एक ही कारक या तो गर्मी या प्रदूषण मौजूद हो। यह महत्वपूर्ण अध्ययन 'एनवायरमेंट इंटरनेशनल' जर्नल में प्रकाशित किया गया है।हाल के मौसम संबंधी आंकड़े भी इस दिशा में खतरे की घंटी बजा रहे हैं। वर्ष 2025 की फरवरी अब तक की सबसे गर्म रही और मार्च में गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी। 15 मार्च को ओडिशा के बौध में तापमान 43.6 डिग्री तक पहुंच गया, जो चिंताजनक है।शोध से जुड़े प्रोफेसर जेरोन डी बोंट के अनुसार यह संयुक्त प्रभाव विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बेहद खतरनाक साबित होते है, जहां लोग पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझते हैं। यही कारण है कि वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के स्रोतों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और सुसंगत प्रयासों की जरूरत है। भारत को चाहिए कि वह इस दोहरे खतरे को नजरअंदाज करने के बजाय इसे नीति निर्धारण की प्राथमिकता बनाए। यदि अभी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट न केवल पर्यावरणीय बल्कि लाखों लोगों के जीवन पर सीधा असर डालेगा।भारत जैसे देशों में गर्मी और प्रदूषण साल-दर-साल चरम पर पहुंच रही हैं। शोधकर्ताओं ने 2008 से 2019 के बीच भारत के 10 बड़े शहरों में 36 लाख से अधिक मौतों का विश्लेषण किया।

5 लाख के आसपास गहने लेकर फरार हो गए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। बेटी शिवानी के शादी के कार्ड भी बट गए थे, मगर होने वाले दामाद राहुल पर सास का दिल आ गया और दोनों 3:30 लख रुपए शादी के नगद 5 लाख के आसपास गहने लेकर फरार हो गए उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ से ये तस्वीर सास और दामाद की है। 4 महीने पहले इस महिला की बेटी का रिश्ता तय हुआ था। तभी दामाद ने एक मोबाइल अपनी सास को गिफ्ट किया। दोनों में बात होती रही और मुहब्बत हो गई। 16 अप्रैल को बेटी की शादी से पहले मां अपने होने वाले दामाद संग चली गई।दामाद अक्सर अपनी ससुराल आता था। कमरे में सास से घंटों-घंटों बातें करता था। किसी ने उस पर शक भी नहीं किया। बेटी की शादी के लिए घर में रखे 5 लाख के जेवरात और ढाई लाख कैश भी महिला घर से ले गई है।

के जी क्लास की किताबों का बिल 9,515 रुपये शिक्षा में बढ़ता भ्रष्टाचार सवालों के घेरे में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। शिक्षा को व्यापार बनाने की एक और तस्वीर सामने आई है। पत्रकार मिथलेश धर ने

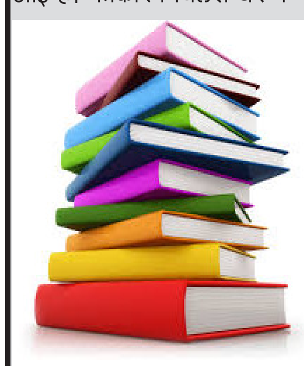

एक बिल शेयर किया है जिसमें केजी और छठी कक्षा की किताबों की कीमत 9,515 रुपये बताई गई है। सोचने वाली बात है कि इतने छोटे बच्चों की किताबों पर ही 10 हजार रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं एक वक्त था जब बच्चे अपने सीनियर छात्रों से पुरानी किताबें ले लेते थे। कई बार ये किताबें मुफ्त या आधे दामों में मिल जाती थीं। लेकिन अब प्राइवेट स्कूलों ने यह प्रथा ही बंद करवा दी है। आज की स्थिति यह है कि छात्रों को हर साल नई किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, भले ही पुरानी किताबें सही हालत में क्यों न हों।इस पूरे मामले ने शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार और मुनाफाखोरी को उजागर किया है। किताबों और यूनिफॉर्म से लेकर स्टेशनरी तक, हर चीज पर स्कूलों की मनमानी चल रही है और अभिभावकों की जेब पर भारी बोझ डाला जा रहा है अब सवाल उठता है - क्या शिक्षा अब सेवा नहीं, सिर्फ एक व्यापार बन गई है।

काशी विद्यापीठ ब्लॉक के स्टोर रूम में लगी आग, 45 मिनट बाद पहुंचा फायर ब्रिगेड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
काशी। काशी विद्यापीठ ब्लॉक के स्टोर रूम में बृहस्पतिवार को आग लग गई। घटना की सूचना देने के

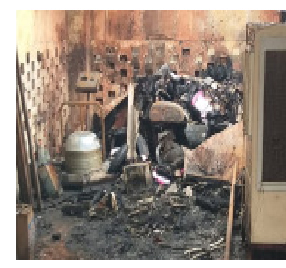

45 मिनट बाद फायर ब्रिगेड पहुंचा। इस पर लोगों ने नाराजगी जताई। बोले, बड़ा हादसा हा सकता था। काशी विद्यापीठ ब्लॉक मुख्यालय परिसर के स्टोर रूम में बृहस्पतिवार को अचानक आग लग गई। दो कूलर, दो बाइक, तीन बक्से, फर्नीचर, सरकारी अभिलेख समेत अन्य सामान जलकर नष्ट हो गए। 45 मिनट बाद पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। आशंका जताई गई कि चहारदीवारी के बगल में खाली जमीन पर नगर निगम के कूड़े में किसी ने आग लगाई होगी, तेज हवा के चलते आग ब्लॉक के स्टोर रूम तक पहुंच गया।लोगों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद ही मंडुवाडीह पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी कि लेकिन 45 मिनट बाद फायर ब्रिगेड पहुंचा। इस बीच ब्लॉक कर्मी और लोग आग बुझाते रहे। देर से पहुंचने पर ब्लॉक अधिकारी व कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड पर नाराजगी जताई। लोगों ने कहा कि स्टोर रूम के बगल में चार पहिया वाहन गैरेज में खड़ा था। कुछ ही दूरी पर सीडीपीओ कार्यालय है, जिसमें पोषाहार रखा हुआ था। बड़ा हादसा हो सकता था। बीडीओ राजेश यादव ने बताया कि क्षति का आकलन किया गया है।

वाराणसी में फरक्का एक्सप्रेस के स्लीपर कोच से मिले पांच बच्चे, एक आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में कैंट स्टेशन पर मानव तस्करी के शक में पश्चिम बंगाल के रहने वाले आरोपी को आरपीएफ ने गिरफ्तार

किया। साथ ही पांच बच्चों को बरामद किया। मानव तस्करी के शक में बुधवार रात कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 9 पर पहुंची फरक्का एक्सप्रेस से पांच बच्चों को आरपीएफ ने बरामद किया। स्लीपर कोच से उतारे गए बच्चों को चाइल्ड लाइन को सौंपा गया। एक आरोपी को आरपीएफ ने कमिश्नरेट पुलिस को सौंपा। आरपीएफ कैंट इंस्पेक्टर संदीप यादव ने बताया कि सूचना मिली कि फरक्का एक्सप्रेस के स्लीपर कोच 5 में पांच बच्चे काफी डरे सहमे हुए हैं। उनके साथ एक युवक भी है। सहायक उप निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार यादव, हेड कांस्टेबल राजेश्वर, हेड कांस्टेबल पंकज सिंह, हेड कांस्टेबल उपेंद्र कुमार, महिला कांस्टेबल रीना सिंह, ज्योति, सविता कुमारी व बचपन बचाओ आंदोलन के कृष्ण प्रताप शर्मा, चंदा गुप्ता ने सभी बच्चों को कोच से उतारा।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया

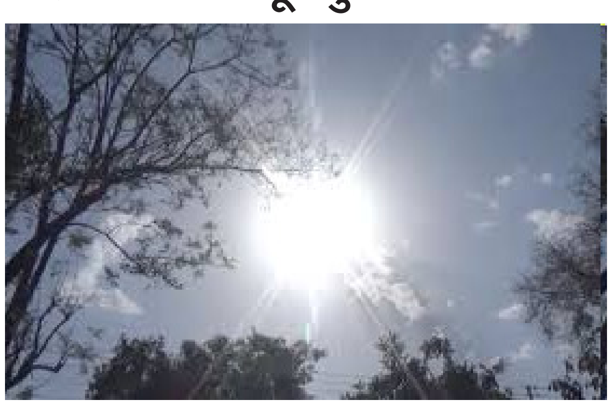

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। आगामी 2 दिनों तक उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश और तेज रफ्तार हवा का अलर्ट जारी- प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं एवं आसपास इलाकों में मेघ गर्जन एवं वज्रपात होने की संभावना है।

नालों की हुई सफाई, अब नहीं होगा जलजमाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। आवास विकास कालोनी योजना दो में बारिश के दिनों में सड़कों पर जल जमाव हो जाता था। कभी-कभी तो हालत यह हो जाती थी कि सड़क पर घुटनो भर पानी लग जाता था। सीवर लाइन भी जाम हो जाती थी। कई-कई दिनों तक बरसात का पानी सड़कों पर भरा रहता था। लोगों को इसी गंदे पानी से होकर आवागमन करना पड़ता था। इसकी शिकायत लोगों ने आवास विकास परिषद से भी की थी। इसको गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र चंद ने अपने अधीनस्थ अवर अभियंता भूपलाल व सहायक अभियंता राहुल कुमार यादव को नालों की सफाई कराने का कार्य सौंपा। आधुनिक मशीन द्वारा जाम पड़े नालों की सफाई कराई गई। एक सप्ताह तक सफाई कर्मियों ने कड़ी मेहनत कर नालों के अंदर जमे सिल्ट को बाहर निकाला और पूरी तरह से नालों को साफ किया। एक सप्ताह तक चले सफाई अभियान कार्य में कालोनी वासियों ने भी सहयोग किया। समस्या से निजात मिलने पर लखनऊ से आयी सफाई टीम का कोलोनी वासियों ने जमकर प्रशंसा की।

नाबालिग ने चलाई गाड़ी तो अभिभावकों से वसूला जाएगा 25 हजार जुर्माना, दर्ज होगा केस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। आजमगढ़ जिले में एसपी ट्रैफिक ने सख्त रुख अपनाया है। उनका कहना है कि सड़क पर नाबालिग गाड़ी चलाते मिले तो अभिभावकों पर केस दर्ज किया जाएगा। साथ ही उनसे 25 हजार जुर्माना वसूला जाएगा। 18 साल से कम उम्र के बच्चे अगर ई-रिक्शा व ऑटो चलाते मिले तो उनके अभिभावकों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। इतना ही नहीं, अभिभावकों से 25 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला जाएगा। उक्त बातें एसपी ट्रैफिक विवेक त्रिपाठी ने कही। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश पर पुलिस चौराहों और स्कूलों के आस-पास निरंतर यह चेकिंग अभियान चलाएगी।एसपी यातायात विवेक त्रिपाठी ने बताया कि आए दिन बढ़ रहे हादसों के मद्देनजर यह व्यवस्था

की जा रही है। 18 साल के कम उम्र के बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाले बच्चे वाहन नियंत्रित नहीं कर पाते, इसलिए हादसे होते हैं। अभिभावकों से अपील है कि वह किसी भी दशा में बच्चों को वाहन न दें। बच्चे वाहन चलाते मिले तो मोटर वाहन यान अधिनियम की धारा 199-क के तहत कार्रवाई की जाएगी। अभिभावक व वाहन स्वामी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा। अभिभावकों पर 25 हजार रुपये तक जुर्माना लगेगा। साथ ही 12 महीने के लिए वाहन सीज कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अपराध करने वाले बच्चे 25 वर्ष तक की आयु के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अपात्र घोषित किए जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि ई-रिक्शा चालक व आटो चालकों का नंबर और वाहन स्वामी का नंबर दर्ज किया जा रहा है। साथ ही उनका अपराधिक रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। ताकि भविष्य में कोई घटना घटित हो तो पुलिस आसानी से उसे पता लगा ले।

प्रदेश आस/पास

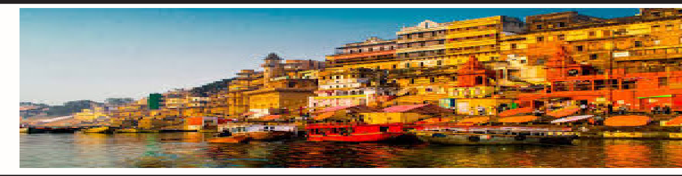

भारत

एडीएम ने बारिश के उपरांत फसल के क्षति आकलन हेतु किया भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ द्वारा आज बारिश के उपरांत फसल के क्षति आकलन हेतु भ्रमण किया गया। उन्होंने बताया कि प्रथमदृष्टया फसलों को विशेष नुकसान नहीं हुआ है। जनपद की समस्त तहसीलों में एसडीएम, तहसीलदार व राजस्व कर्मियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में वृहद सर्वे किया जा रहा है। सभी तहसीलों में क्षति आकलन हेतु हेल्प डेस्क भी बनायी गई है। गेहूँ खरीद में तेजी लाने के लिए गेहूँ क्रय केंद्रों, मंडी का निरीक्षण भी राजस्व अधिकारियों द्वारा लगातार किया जा रहा है, इसके साथ ही किसानों से सीधे संवाद कर बिचौलियों से छुटकारा दिलवा कर सीधे खरीद हेतु हर संभव प्रयास किया जा रहा है, जिससे जनपद में किसानों को गेहूं विक्रय करने में किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो।

मा0 सदर विधायक ने 30 निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 सदर विधायक अदिति सिंह के करकमलों द्वारा

निरीक्षण भवन लोक निर्माण विभाग में जिला नगरीय विकास अभिकरण रायबरेली द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अन्तर्गत कुल 30 निर्माण कार्यों जिनमें 16 कार्यों का शिलान्यास एवं 14 कार्यों का लोकार्पण किया गया। जिनकी कुल स्वीकृत धनराशि लगभग रू0 5.36 करोड है। **पांच प्रमुख शिलान्यास कार्य :-** 1. वार्ड नंबर 07 हनुमंतपुरम में 27.53 लाख लगत के 160 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।2. वार्ड नंबर 12 सर्वोदय नगर में 27.35 लाख लगत के 158 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।3. वार्ड नंबर 07 हनुमंतपुरम में 26.53 लाख लगत के 150 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।4. वार्ड नंबर 07 हनुमंतपुरम में 24.59 लाख लगत के 145 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य।5. वार्ड नंबर 04 शक्ति नगर में 21.23 लाख लगत के 155 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य। **पांच प्रमुख लोकार्पण कार्य :-** 1. वार्ड नंबर 03 देवानंदपुर में 30.71 लाख लगत के 197 मीटर इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य। 2. वार्ड नंबर 12 सर्वोदय नगर में 27.52 लाख लगत के 150 मीटर इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य। 3. वार्ड नंबर 11 हर्ष नगर में 27.51 लाख लगत से 150 मीटर इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य। 4. वार्ड नंबर 11 कृष्णा नगर में 26.58 लाख लगत से 160 मीटर इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य। 5. वार्ड नंबर 13 मालिकमऊ में 26.55 लाख लगत से 155 मीटर इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।इस कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी डूडा एवं अवर अभियन्ता डूडा, पूर्व सभासद फूलचन्द्र, पूर्व सभासद तेज बहादुर भारती, मण्डल अध्यक्ष पूर्वी आशुतोष पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष पश्चिम नवजीत सिंह, जिला पंचायत सदस्य रावेन्द्र सिंह, अवश्वनी शर्मा, सरताज अंसारी, रवी चौधरी, जोगी पण्डित, सभासद कपिल सोनकर, अमन सिंह, उदय सिंह, विधायक प्रतिनिधि कमल श्रीवास्तव, पी0आर0ओ0 अरूण विश्वकर्मा द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एक- एक कर तालाब से शव निकला तो लोगों का फट गया कलेजा, मची चीख पुकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। भदोही जिले में एक विवाहिता अपने तीन बच्चों के साथ तालाब में कूदकर जान दे दी। चारों का शव एक- एक कर तालाब से

निकला तो लोगों का कलेजा फटा जा रहा था। भदोही जिले के दुर्गागंज के शेरपुर गोपलहां में हुई दर्दनाक घटना के बाद सुनील की जिंदगी पूरी तरह से उजड़ गई। चार दिन पहले ही उसने अपनी मां को खोया था। अब पत्नी और बच्चों की मौत ने उसे झकझोर कर रख दिया। घटनास्थल पर बदहवास रो रहा सुनील उस समय को कोस रहा था, जब वह कमरे से बाहर पाही (घर से 20 मीटर दूर बनी एक छोटी झोपड़ी) पर गया था। वह बार-बार यही कह रहा था कि काश वह कमरे से निकलकर न गया होता तो ऐसा न होता।दुर्गागंज के शेरपुर गोपलहां में एक साथ चार मौतों ने हर किसी को झकझोर दिया। विवाहिता ने ऐसा कदम क्यों उठाया। यह तो जांच का विषय है, लेकिन घटनास्थल के पास जितनी मुंह उतनी बातें सुनने को मिली। तालाब से एक एक कर सभी का शव बाहर निकाला गया तो मौजूद लोग अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे। लोगों का कलेजा फटा जा रहा था। घटना करीब तीन से चार के बीच की है। विवाहिता अन्नू का पति सुनील उसके साथ ही था। भोर में तीन बजे के बाद अपने कमरे से 20 मीटर दूर बने पाही पर पिता उदयराज के पास गया। इसी बीच अन्नू अपने तीनों बच्चों के साथ तालाब की ओर से निकली थी। उसके पड़ोस की ही महिला अमृता ने उसे बच्चों के साथ जाते हुए देखा भी था, लेकिन वह यह समझ नहीं पाई कि अन्नू बच्चों के साथ खुद को मौत के हवाले करने जा रही है। कुछ देर बाद गांव के जीतनारायण तालाब की तरफ शौच करने गए तो उन्हें मोबाइल के टॉर्च की रोशनी दिखाई थी। वे उसे उठाए और लेकर घर चले आए। इधर, पांच बजे सुनील जब कमरे में पहुंचा तो पत्नी को ढूंढने लगा। उसने उसके मोबाइल पर फोन किया तो पता चला कि जीतनारायण के पास मोबाइल है। जीतनारायण ने बताया कि तालाब के पास उसे मोबाइल मिला। जिसके बाद सभी लोग तालाब की तरफ दौड़ पड़े। तालाब के पास महिला के चप्पल पड़े थे। इससे परिवार के लोग बदहवास हो गए। पुलिस को सूचना दी गई। गांव के कुछ लोग तालाब में उतर कर ढूंढने लगे। इसके बाद दिव्यांश का शव तालाब में मिला। उसके बाद बारी-बारी सभी के शव निकाले गए। अन्नू को को बच्चों के साथ जाते हुए देखने वाली पड़ोसी अमृता बिलखते हुए कहती है कि हमरा से बड़ी गलती हो गईल, काश बचवा लोगन के हम रोक लेईत तो उनकी जिंदगी बच जाईत। अबहीं ऊ जीवन में कुछ देखे नाहीं रहलन। अमृता ने बताया कि भोर में अन्नु दोनों बेटों का हाथ पकड़ी थी और बेटी हाथ में पानी का बोतल लेकर आगे चल रही थी। यह देख लगा कि शौच के लिए जा रही है। घटनास्थल पर पहुंचे गांव के युवाओं ने करीब आठ से नौ घंटे तक रेस्क्यू करने के बाद शव को काफी मशक्कत से बाहर निकाला। घटना की जानकारी पर मिश्राइनुपर, रामपुर, शेरपुर और दुर्गागंज जैसे गांवों के मल्लाह पहुंचे। वे पानी में उतरे और शवों को खोजना शुरू किया।

बीएचयू में 150 अभ्यर्थियों को मिलेगा पीएचडी एडमिशन का फायदा, आईएमएस में 250 से ज्यादा सीटें खाली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बीएचयू में 150 अभ्यर्थियों को पीएचडी एडमिशन

का फायदा मिलेगा। यहां पीएचडी एडमिशन 2.0 पूरा होने के बावजूद 450 सीटें खाली रह सकती हैं। बीएचयू में 150 से ज्यादा अभ्यर्थियों को पीएचडी एडमिशन का फायदा मिल सकता है। दूसरे राउंड की पीएचडी काउंसिलिंग पूरी होने के बावजूद 450 सीटें खाली रह सकती हैं। सीट कन्वर्जन नियम लागू होने के बाद 5 दिन तक एडमिशन होंगे। 15 अप्रैल के बाद मौका नहीं मिलेगा। इन सीटों के खाली रहने के पीछे ये भी है कि अकेले आईएमएस में पीएचडी की 250 से ज्यादा सीटें खाली हैं। वजह ये है कि चिकित्सा विज्ञान के कई विषयों में पीएचडी के लिए आवेदन हीं मिले। वहीं, आयुर्वेद सहित कई अंडररेटेड विषयों में पीएचडी का आवेदन बेहद कम आया था, जबकि इन विषयों के लिए सीटें काफी आईं थीं। परीक्षा नियंता कार्यालय के अनुसार, बीएचयू के कला संकाय, सामाजिक विज्ञान संकाय और विज्ञान संकाय में ज्यादातर सीटें भर गईं हैं, जबकि सबसे ज्यादा अभ्यर्थियों की वेटिंग इन्हीं विषयों में दर्ज की जा रही है। इतिहास, हिंदी, अंग्रेजी, भूगोल, विज्ञान, सोशल साइंस, राजनीति विज्ञान और दर्शनशास्त्र जैसे परंपरागत विषयों से पीएचडी करने की सीटें कम ही खाली हैं। किसी सेंटर या नए नवेले विषयों में एडमिशन हो सकता है। बीएचयू में 1540 सीटों पर पीएचडी में प्रवेश होना था, लेकिन 26 विषयों की 74 सीटों पर आवेदन ही नहीं आया। ऐसे में सीटों को घटाकर 1466 कर दिया गया। करीब 800 सीटों पर अभ्यर्थियों को प्रवेश मिल गया। यूजीसी और सरकार की अनुमति के बाद आरईटी एंग्जप्टेड सीटों को आरईटी में कन्वर्ट कर जो वेटिंग लिस्ट थी उसे क्लियर किया जा रहा है।

उद्यान मंत्री-प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी स्थापना दिवस के अंतर्गत अभिनंदन सम्मेलन को किया संबोधित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस अभियान के तहत बुधवार को बछरावां विधानसभा स्तरीय सक्रिय सदस्य अभिनंदन

सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में प्रदेश सरकार के मंत्री, पार्टी पदाधिकारी तथा भाजपा नेताओं ने वक्ता के रूप में पहुंचकर जनसंवाद किया। सम्मेलन में उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के साथ क्षेत्र की अभियान टीम के साथ संवाद किया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया और कार्यकर्ताओं को कहा गया कि अपने क्षेत्र में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार कर संबंधित को उसका लाभ दिलाए। उद्यान मंत्री ने कहा कि सरकार के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ सभी को जोड़ने का काम करना है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी, पूर्व विधायक रामलाल अकेला सहित नगर पंचायत चेयरमैन, ब्लॉक प्रमुख गण, मंडल अध्यक्ष, सहित विधानसभा के सभी सम्मानित सदस्य व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी आज वाराणसी में, 3884 करोड़ की देंगे सौगात जनसभा को करेंगे संबोधित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। प्रधानमंत्री का स्वागत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जिला प्रभारी

मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश सरकार के आठ साल पूरे होने के बाद पहली बार शुक्रवार सुबह 10:30 बजे काशी पहुंचेंगे। वह 10:30 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से हेलिकॉप्टर से मेंहदीगंज स्थित जनसभा स्थल जाएंगे।50वें दौरे पर काशी पहुंच रहे प्रधानमंत्री 3884.18 करोड़ रुपये की 44 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें 1629.13 करोड़ की 19 परियोजनाओं का उद्घाटन और 2255.05 करोड़ की 25 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। बनास (अमूल) से जुड़े प्रदेश के लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों को 106 करोड़ रुपये का बोनस भी देंगे।प्रधानमंत्री का स्वागत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जिला प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी करेंगे। ढाई घंटे काशी में प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मेंहदीगंज से जनसभा को संबोधित करेंगे और तीन जीआई उत्पादों को प्रमाणपत्र और 70 वर्ष से अधिक आयु के तीन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड देंगे। लोकार्पण की मुख्य परियोजनाओं में 130 पेयजल परियोजनाएं, 100 नए आंगनबाड़ी केंद्र, 356 पुस्तकालय, पिंडरा में पॉलिटेक्निक कॉलेज, एक डिग्री कॉलेज शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों के लिए शास्त्री घाट पर पर्यटन उन्नयन, रेलवे और वीडीए की ओर से सुंदरीकरण की परियोजनाओं के अलावा पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल और रामनगर में बैरक का उद्घाटन शामिल है। शिलान्यास की परियोजनाओं में 15 नए विद्युत उपकेंद्र, 1500 किमी नई बिजली लाइनें, चौकाघाट के पास 220 केवी का सबस्टेशन, एयरपोर्ट विस्तार के लिए सुरंग निर्माण और शिवपुर व यूपी कॉलेज में दो स्टेडियम शामिल हैं। मंच पर बनास डेयरी के चेयरमैन और गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी भी रहेंगे।

एवियर कॉलेज में इंट्रा-मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । सेक्टर-62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब कॉलेज में लॉ डिपार्टमेंट द्वारा प्रथम इंट्रा-मूट कोर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

किया गया। यह आयोजन लॉ डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों के कानूनी ज्ञान, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं वाद-विवाद कौशल को मंच प्रदान करने के लिए किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व काजल पुंडीर और सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में टीम एस.जे12 (साहिबा, शिवानी और शीला) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और विजेता घोषित हुए। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में जितेन्द्र और परी चौहान को सर्वश्रेष्ठ मूटर्स, सुक्करन सिंह को सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल और उजाला कुमारी सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता बने। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में अधिवक्ता कवलप्रीत कौर और डॉ. लवीना पारिख की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके न्यायिक अनुभव एवं सुझावों से प्रतिभागियों को अत्यंत लाभ प्राप्त हुआ। रीबटल राउंड प्रतियोगिता का सबसे रोमांचक भाग रहा, जिसने दर्शकों एवं प्रतिभागियों दोनों को अंत तक बांधे रखा। कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक श्री अमरेश सिंह और कॉलेज के डीन एकेडमिक अभिषेक स्वामी की विशेष उपस्थिति और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनके निरंतर सहयोग से ही यह आयोजन सफल हो सका। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं आत्मविश्वास बढ़ाने वाला अनुभव साबित हुई। लॉ विभाग भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन करता रहेगा जिससे लॉ छात्रों को वास्तविक न्यायिक प्रक्रियाओं की समझ विकसित हो सके।

पिकअप की टक्कर से छात्रा की मौत, दो घंटे चक्का जाम; अधिकारियों के आश्वासन पर माने परिजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में पिकअप के चपेट में आने से एक

सात साल की छात्रा की मौत हो गई। घटना से नाराज परिजनों व ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया। काफी देर बाद अधिकारियों के आश्वासन पर माने। वाराणसी जिले के कपसेठी-बाबतपुर मार्ग में भुसौला गांव के पास बृहस्पतिवार शाम पिकअप की चपेट में आने से सात साल की बच्ची की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक भाग निकला। आक्रोशित लोगों ने मार्ग को जाम कर दिया। एसडीएम शिवानी सिंह व एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और परिजनों को आर्थिक सहायता दिलवाने का आश्वासन देकर शांत कराया। दो घंटे बाद कपसेठी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। भुसौला गांव के अरुण राम की बेटी शिवांगी (7) शाम को सड़क पार कर रही थी, इस बीच कपसेठी की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे पिकअप की चपेट में शिवांगी आ गई। बालिका को परिजन निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौका पाकर पिकअप चालक भाग निकला। बेटी की मौत से आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने घर के सामने कपसेठी-बाबतपुर मार्ग पर बांस बल्ली लगाकर जाम कर दिया। कपसेठी थाना प्रभारी अरविंद कुमार सरोज पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन परिजन नहीं माने। जंसा, मिर्जामुराद और बड़ागांव की थाने की फोर्स भी पहुंच गई। एक भाई दो बहनों में शिवांगी बड़ी थी। कक्षा एक की छात्रा थी।

पीएम मोदी की सुरक्षा में 4000 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पीएम की

सुरक्षा के लिए 4000 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। साथ ही सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा के लिए 4,000 पुलिस, पीएसी और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए हैं। सीसी कैमरे और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। जिला प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना बृहस्पतिवार शाम काशी पहुंच गए और उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। मौजूद अफसरों से जानकारी लेकर जरूरी निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जनसभा में आने वाले किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने बताया कि तैयारियां पूरी हो गई हैं। उन्होंने प्रभारी मंत्री को जनसभा स्थल पर लोगों के आने-जाने की व्यवस्था, रूट प्लान सहित सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। आम लोगों के लिए पार्किंग, पानी गुड़ की व्यवस्थाओं से जुड़ी जिम्मेदारियां बांटी गई। सभास्थल पर बने 16 ब्लॉकों में अलग-अलग एक संयोजक उनके साथ 5 कार्यकर्ता नियुक्त किए गए। इसी तरह सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग के लिए प्रत्येक ब्लॉकों में पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था, लोगों की सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था आदि की अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। वहीं दूसरी तरफ राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने ईश्वरगंगी मोहल्ले में स्थित पातालपुरी मठ में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जनसभा में शामिल होने का आमंत्रण पत्र दिया।जिले के सरकारी अस्पतालों में सेफ हाउस बनाया गया है। बाबतपुर एयरपोर्ट और राजातालाब के मेंहदीगंज में सभा स्थल से नजदीकी अस्पताल में भी प्रोटोकॉल के अनुसार सेफ हाउस बनाया गया है। इसके अलावा 10 से अधिक एंबुलेंस, 50 से अधिक डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ की टीम की तैनाती भी अलग-अलग जगहों पर की गई है। जनसभा स्थल पर पांच से अधिक 108 एंबुलेंस खड़ी रहेगी।

रामकथा में राम जानकी विवाह का सुंदर वर्णन किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा ।नोएडा सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन कथा

व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि प्रसंगो जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। जनक जी का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 11 अप्रैल को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, संजय शुक्ला, रमेश चंद शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, गौरव, पप्पू सिंह, जितेंद्र सतपति, उमाकांत त्रिपाठी, हंसमणि शुक्ल, अनूप सिंह, रविंद्र कुमार , देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, रमेश दास, राजवीर सिंह,अंगद सिंह तोमर , सुशील पाल राजेश कुमार पाठक, मुक्तेश भारद्वाज, प्रकाश जोशी , दीपक मेहरा , धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रंजन गिरि, दिनेश पाठक, धर्मेंद्र सिंह, अरविंद सिंह परिहार, विनय त्रिवेदी, मेवा राम, अनिल कुमार चौधरी , जितेंद्र सिंह, सर्वेश कुमार तिवारी, दीपक तिवारी, विकास कुमार, महेंद्र सिंह, संजय कर्ण, अवनीश शर्मा, गिरिराज , राम भरोसे झा, विजय कुमार झा सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

शंकुलधारा तालाब के आसपास सुंदरीकरण कराएगा नगर निगम, सैंड स्टोन कलर से जगमगाएंगी सीढ़ियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी नगर निगम शंकुलधारा तालाब के आसपास सुंदरीकरण कराएगा। तालाब के आवागमन के साथ ही वाहनों के पार्किंग स्थल भी बनाया जाएगा। तालाब के पास में ही अमर ज्योति जूनियर हाई स्कूल का कैंपस है।

आसपास के इलाकों में सीवर और पेयजल की समस्या को भी ठीक कराया जाएगा। वाराणसी में शंकुलधारा तालाब के आसपास सुंदरीकरण का कार्य नगर निगम कराएगा। इसके लिए यहां साफ सफाई कराई जा रही है। क्षतिग्रस्त मार्ग को दुरुस्त कराने के साथ यहां की स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराया जाएगा। आसपास के इलाकों में सीवर और पेयजल की समस्या को भी ठीक कराया जाएगा।अप्रैल में यहां पर सामूहिक विवाह योजना का भी कार्यक्रम रखा गया है। इसकी चहारदीवारी, गेट आदि को भी पेंट किया जाएगा। तालाब की चारों तरफ पत्थर के दिशा सूचक एवं तालाब के पौराणिक का बोर्ड को भी नया किया जाएगा। इस तालाब में लोग मूर्ति विसर्जन करते हैं। इसके चलते आए दिन यहां मूर्तियों के अवशेष पड़े रहते हैं। इसे हटवाने के साथ तालाब में लगे फव्वारे को चालू किया जाएगा। तालाब की सीढ़ियों की सैंड स्टोन कलर से पेंट कराया जाएगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के अनुसार शंकुलधारा तालाब के आसपास की सुविधाओं का बेहतर विकास होगा।

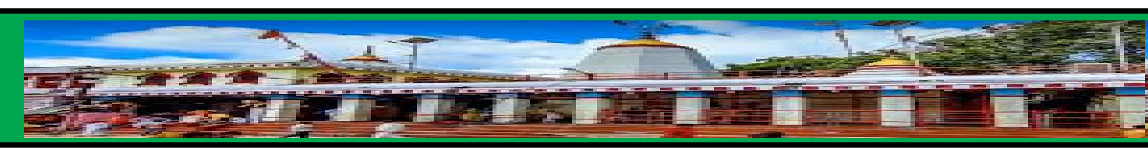

सोनभद्र, मिर्जापुर

तेज धूप में परिषदीय विद्यालयों का समय परिवर्तन को दिया पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन पदाधिकारी द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिल कर तेज धूप में परिषदीय विद्यालयों के समय परिवर्तन को लेकर सोपा गया पत्र संगठन जिला अध्यक्ष शिवम अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान समय में परिषदीय प्राथमिक वि?द्यालयों का समय प्रातः 8:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक है। वर्तमान समय में जनपद में अत्यधिक धूप हो रही है तथा लू भी चल रही है जिसके कारण बच्चों को विद्यालय से वापस जाने में काफी धूप व लू का सामना करना पड़ रहा है तथा वर्तमान समय में जनपद में हीट वेव भी चल रही है। जिसके कारण विद्यालय के समय में परिवर्तन करने की जरूरत है जिससे बच्चों को विद्यालय आने जाने में सुविधा हो सके।वही श्री अग्रवाल ने बताया कि बच्चों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय का समय प्रातः 7:30 से दोपहर 12:00 बजे तक करने का कष्ट करें जिससे बच्चों को विद्यालय में आने जाने में सुविधा हो सके। इस दौरान विकास सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

वांछित तीन अभियुक्तों को चोपन पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
डाला सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेलगुडवा पश्चिमी से पुर्व दिनों चोरी समेत अन्य मुकदमा के वांछित तीन अभियुक्तों को चोपन हुआ। जहां कुल तीनों अभियुक्त के विरुद्ध अग्रीम कार्यवाही करते हुए पूर्व में दर्ज मुकदमा संख्या के तहत मा. न्यायालय भेजने की विधिक कार्रवाई कि जा रही हैउक्त

पुलिस ने गिरफ्तार कर मा. न्याय के समकक्ष प्रस्तुत किया गया वहीं संबंध में उ0नि0 मेराज खाँ ने बताया कि बुधवार को लगभग 21.30 बजे मुखबिर से सूचना पाकर तत्काल तेलगुड़वा चौराहे से लगभग चार मीटर सलाईबनवा के तरफ टीम के साथ पहुंचकर संतोष बैगा उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व0 रामकिशुन बैगा निवासी तेलगुड़वा पश्चिमी, राजन गोंड उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र विजय गोंड निवासी नौटोलिया, अनिल बैगा उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्र जगदीश बैगा निवासी कड़िया पनारी ओबरा को गिरफ्तार कर लिया तलाशी में इस अभियुक्त के पास से 02 अदद ईंट बनाने का फार्मा व 31000/- रुपये बरामद मुकदमा में वांछित मु0अ0सं0-168/24 धारा 331(4), 305 बीएनएस व मु0अ0सं0-25/2025 धारा 305, 317(5), 3(5) बीएनएस व मु0अ0सं0-38/2025 धारा 331(4), 305 बीएनएस थाना चोपन व मु0अ0सं0-174/2024 धारा 305() बीएनएस थाना शक्तिनगर व मु0अ0सं0-65/2025 धारा 331(4), 305, 324(2) बीएनएस दर्ज है इस दौरान टीम में उ0नि0 आशीष पटेल व0उ0नि0 उमाशंकर उ0नि0 मेराज खाँ उ0नि0 रविन्द्रनाथ पाण्डेय हे0का0 सच्चिनन्द हे0का0 उपेन्द्रनाथ गौड़ हे0का0 मनोज कुमार हे0का0 शिवशरण बिन्द, हे0का0 चालक राजेश यादव शामिल रहे।

नपा अध्यक्ष ने ओपेन जिम हाई मास्ट पोल लाइट का किया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र के विवेकानंद प्रेक्षागृह के समीप गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद के नेतृत्व में इंडियन ऑयल सीएस आर मद से होने वाले विकास कार्यों में दो करोड़ शक्तिनगर मार्ग पर छपका पावर हाउस से सर्किट हाउस तक पोल लाइट सभी कार्यों का लोकार्पण किया गया जिससे कि नगर में किसी प्रकार से आम जनमानस को असुविधा उपलब्ध न हो वही नपा अध्यक्ष ने बताया कि विस्तारित

69 लाख के लागत के कार्यों का लोकार्पण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि इंडियन ऑयल सीएस आर मद से 19 हाई मास्ट नगर पालिका के विभिन्न वार्ड में लगाया गया वही, पांच ओपन जिम लगाया गया जिसमें स्वामी विवेकानंद परीक्षा गृह के समीप, चाचा नेहरू पार्क, अकढ़हवा तालाब स्थित, तहसील परिसर पार्क, जिलाधिकारी आवास मंदिर के समीप, वाराणसी करण में जुड़े हुए गांव को भी विस्तारित क्षेत्र से जोड़कर विकास कार्य जल्द कराने का कार्य शुरू कर दिया गया है इस दौरान अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव , जेई मनीष कुमार,वाड़ सात सभासद प्रियंका, अनवर अली, मनोज चौबे,उषा जैन, ओमप्रकाश यादव, विनोद सोनी, गायत्री, प्रदीप कुमार, सुशील कुमार, अजीत सिंह, विमलेश, रामविलास, अमन ,आशीष सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जैन बन्धुओ ने धूमधाम से मनाई भगवान महावीर स्वामी की जयंता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। सोनभद्र जनपद के रॉबर्ट्सगंज नगर मे बृहस्पतिवार को भगवान महावीर स्वामी जी की जयंती का कार्यक्रम नगर के जैन बंधुओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर जैन साधना भवन में पूजन आरती के पश्चात बच्चों की णमोकार मंत्र प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जैन समाज के वरिष्ठ हर्ष अग्रवाल ने कहा कि भगवान महावीर का जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी की तिथि को हुआ था। उन्होंने मोह माया को त्याग कर सन्यासी जीवन अपनाया और 12 वर्ष की कठोर तपस्या के बाद उन्हें कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई। उन्होंने जैन धर्म में पांच महाव्रत के पालन की शिक्षा दी और जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे। रामेश्वर दास जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि महावीर के सत्य के मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बन सकता है। यही आज की हम सबके लिए एक प्रेरणा है और भगवान महावीर के लिए यह सच्ची श्रद्धा होगी। कार्यक्रम के अंत में जैन समाज के अध्यक्ष पवन कुमार जैन ने सभी जैन बंधुओं एवं समाज के उपस्थित अन्य लोगों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं दी। महावीर जयंती के उपलक्ष में आज जैन साधना भवन में 11000 णमोकार महामंत्र का जप किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धर्मराज जैन, पवन जैन, अमित जैन, जोगीराम जैन, प्रिंस जैन, रवि जैन, अनिल जैन, सुबोध जैन, जितेंद्र प्रिंस, हेमंत, पुष्प जैन, रितू, रीना, उषा, निर्मला आदि सैकड़ो की संख्या में उपस्थित थे।

श्री सालासर बालाजी महाराज भजन संध्या पर पूरी रात जमकर झूमे श्रद्धालु

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
अनपरा। तापीय परियोजना

आवासीय परिसर स्थित मिनिस्ट्रीरियल क्लब मे आयोजित श्री सालासर बालाजी महाराज के प्रथम भजन संध्या पर मंगलवार को अनपरा का पूरा क्षेत्र भक्ति गीतों पर झूम उठा,क्या महिला क्या पुरुष, क्या बच्चे सभी के रोम रोम से भक्ति गीतों की ऐसी रस धारा बही की देर रात्रि तक लोग थिरकते रहे । कार्यक्रम का शुभारम्भ हवन पूजन के साथ बालाजी को छप्पन भोग लगाकर किया गया तत्पश्चात सोनभद्र से आये भजन गायक संजीव शर्मा, दीपक पाण्डेय, दिल्ली से आये भजन गायक राहुल रोहिल्ला, वृन्दावन से आये राधे दास गौरव ने एक से बढ़कर भजन सुनाकर लोगो को देर रात्रि तक बांधे रखा त् भक्तो की भारी डिमांड पर पंजाब से आई भजन गायक प्रविन्द्र पलक ने जैसे ही मंच पर उपस्थित हुई पूरा क्षेत्र जय श्री राम और जय बालाजी के उदघोष गूंज उठा, फूलो की होली ने कार्यक्रम मे जहाँ चार चांद लगा दिया वही कलकत्ता से आये कलाकारों द्वारा बनाया गया भव्य बालाजी दरबार की शोभा देखते ही बन रही थी त् प्रविन्द्र पलक की बेहतरीन आवाज़ ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया उन्होंने भक्ति गीतों की ऐसी शमा बांधा कि हर लोग थिरकने लगे, इस दौरान सीता रसोई मे हज़ारो की संख्या मे पधारे भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया त् कार्यक्रम के अंत मे कथावाचक दुर्गेश नंदन मिश्र की टीम ने यजमान दीपक सिंह, बालकेश्वर सिंह, आदित्य शुक्ला ने सपत्नी आरती कराकर कार्यक्रम का समापन कराया । कार्यक्रम के आयोजक श्री बालाजी महाराज मित्र मंडली ने कार्यक्रम मे पधारे सभी भक्तो का आभार व्यक्त करते हुए सभी को प्रसाद वितरण किया।

हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग उठाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
डाला सोनभद्र। विकास खंड चोपन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटा के टोला तेलगुडवा तिराहे के रहवासी आज भी अंधेरे जूझ रहे हैं जिससे क्षुब्द होकर जिला से जगमगाते हुए दिखाई देता वहीं रहवासियों समेत आवागमन करने वाले राहगीर एव श्रद्धालुओं को भी सहूलियत हो जाता है लेकिन देश प्रदेश के नामी-गिरामी कंपनी महज लगभग तीन से चार किलोमीटर का मन में भय बना रहता है 2- रहवासी विजय कुमार ने बताया कि तेलगुडवा लोकल बस स्टैंड व टैक्सी स्टैंड है जिससे कि यात्रियों को कभी कभी अंधेरे में घंटों इंतजार करना पड़ता है 3- दूधनाथ गुप्ता

अधिकारी का ध्यान आकर्षित करवाते हुए हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग उठाई गई। वहीं गुरुवार को सुबह लगभग साढ़े दस बजे तेलगुडवा तिराहा के रहवासी इकठ्ठा होकर जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करवाते हुए हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लगवाएं हेतु मांग उठाने लगें। और दूधनाथ गुप्ता भोला पासवान विकेश कुमार दिनेश कुमार दिलीप विजय कुमार अजय कुमार मंगल यादव मनिष कुमार मुन्ना नन्दू शर्मा बिरेंद्र उर्फ आरडी पासवान आदि रहवासी ने परेशानियों को बताया कि तेलगुडवा तिराहा वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर स्थित है जो संपर्क मार्ग कोटा कोन होते-होते झारखंड को जोड़ता है वह बदनसीबी के हालात में पड़ा हुआ है जहां शाम होते अंधेरे में बदल जाता है तेलगुडवा तिराहा भी हर शाम जगमगाता अगर हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लग जाएं, वहीं एसीसी प्लांट सलईबनवा, एवं अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री डाला एव कोटा पंचायत विकास अधिकारी चाहें तो तेलगुडवा तिराहा भी शाम दूरी पर स्थित है लेकिन जन हित को लेकर कोई व्यवस्था नहीं देना चाहती है, ना ही कोटा प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा स्ट्रीट लाइट हेतु व्यवस्था करवाई गई है जिससे रहवासियों समेत राहगीर यात्रियों को रात के अंधेरे की कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा है नाम बड़े काम छोटे की कहानियां सच होती दिखाई दे रहा है वहीं तेलगुडवा तिराहे कोन होते हुए झारखण्ड को जोड़ता है कोटा पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी का भी आवागमन रहता है उसको यहां के रहवासियों की बेवशी दिखाई नहीं देता है वहीं बात करें गांव में प्रकाश व्यवस्था कराना ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी होती है। प्रकाश के व्यवस्था पर राज्य और केंद्रीय वित्त आयोग की धनराशि से ग्राम पंचायतें हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लगवा जा सकता है 1- रहवासी बल्ली गुप्ता ने बताया कि तेलगुडवा तिराहा मार्ग कोन होते हुए झारखंड को जोड़ता है जिससे यहां यात्रियों की भिड़ देखने मिलता है लाइट नहीं होने से अप्रिय घटना ने कहा कि हम जिलाधिकारी जी तेलगुडवा तिराहा पर जल्द से जल्द हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लगवाएं जाने की मांग करते हैं ताकि यहां के रहवासी समेत राहगीरों को सहूलियत मिल सके। 4- भुल्लन शर्मा ने कहा कि तेलगुडवा तिराहा वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर स्थित है जिससे अंधेरे के कारण सड़क दुर्घटना होने की आसंका बना रहता है और क्षेत्र में चोरी जैसी अप्रिय घटना पर लगाम लग सकेगा। हाई मास्क स्ट्रीट लाइट न होने से होने वाली समस्याएं एव सुझाव स्थानीय लोगों ने कहा कि तेलगुडवा तिराहे से वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग के दोनों तरफ बसा है और अंधेरे में यहां के लोगों की सड़क पार करने में बड़ी परेशानी होती है हाई मास्क स्ट्रीट लाइट न होने से अंधेरा पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है. इसके अलावा, अंधेरे में खतरे दिखाई नहीं देते सड़क पर अंधेरा होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ना, चोरी की वारदातें बढ़ना, घरों से बाहर निकलने में हिचकन रहता है क्या करें।

प्राइवेट बस मालिकों को सीओ ने दी हिदायत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के दिशा निर्देश के क्रम में गुरुवार को यातायात पुलिस द्वारा प्राइवेट बस मालिकों को अपने स्टैंड पर वाहनों को खड़ा करने की दी गई हिदायत दर्जनों चालान ऑटो ई रिक्शा व बाइक का किया गया।यातायात सीओ राज सोनकर ने बताया कि गुरुवार को अभियान चलाकर प्राइवेट बस मालिकों को हिदायत देते हुए इधर-उधर बस खड़ा कर सवारी लेने पर चालान की कार्रवाई को दिया गया निर्देश वही इलेक्ट्रिक टोटो व ऑटो सहित तीन सवारी बिना हेलमेट बाइक स्वरों का दर्जनों किया गया चालान की कार्रवाई। इस मौके पर टी एसआई प्रभारी भरत राय , अभय त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल सुजीत यादव, अब्दुल रहमान ,संगम सिंह, संतोष कुमार, रामचंद्र ,संतलाल सहित आदि लोग मौजूद रहे।

जय श्री श्याम बाबा का 50 वां वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
अनपरा सोनभद्र।श्री श्याम सेवा

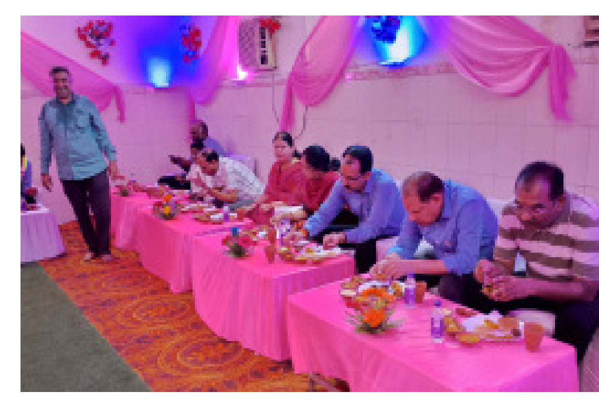

मण्डल, रेनुसागर की तत्वाधान में श्याम सेवा मण्डल रेनुसागर के प्रांगण में बाबा श्री श्याम की अनुकंपा से 9 अप्रैल को जय श्री श्याम बाबा का विराट 50 वां वार्षिकोत्सव के भव्य आयोजन पर भजन कीर्तन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण से विशाल भंडारा के साथ सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य यजमान हिन्डाल्को रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह सपत्नी दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की अध्यक्षा इंदु सिंह एवं हेड एच आर शैलेश विक्रम सिंह सपत्नी विभा शैलेश सिंह ,मनीष सिंह सपत्नी विभा सिंह ने विधि विधान पूर्वक बैदिक मंत्रोचार के बीच जय श्री श्याम बाबा की पूजा अर्चना की।तत्पश्चात वाद्ययंत्रों के बीच भजन कीर्तन का भव्य कार्यक्रम आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अंत मे विशाल भंडारे हजारों से अधिक श्याम भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर जगदीश पात्रा,मनु अरोड़ा,मेनका अरोड़ा,संजय श्रीमाली ,कविता श्रीमाली,विभु पात्रा,अरविंद सिंह,संदीप यावले सुधाकर अन्नामलाई, आशुतोष सिंह सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने में विकाश अग्रवाल,मनोज जोशी,सुरेश रुंगटा,विनोद केडिया,नरेश शर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

क्षेत्रीय कमेटियों को अंग वस्त्र भेट कर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
अनपरा सोनभद्र। महावीरी शोभा यात्रा समिति अनपरा द्वारा बुधवार को अनपरा बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला मे कार्यक्रम के 35 वर्ष पूर्ण होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया कार्यक्रम का

शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित नगर पंचायत की ईओ अपर्णा मिश्रा, विशिष्ट अतिथि मेघा पावर के महाप्रबंधक एस के द्विवेदी, ऊर्जांचल जन कल्याण समिति के महामंत्री के सी जैन, अध्यक्ष आर डी सिंह, अनपरा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर शिव प्रताप वर्मा, रेणुसागर चौकी प्रभारी राजेश सिंह ने सयुक्त रुप से बजरंगबली के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वक्ताओ ने महावीरी शोभा यात्रा कार्यक्रम को लोगो के आस्था का केंद्र बताया त् कहा कि 35 वर्षो से अनवरत महावीरी शोभा यात्रा कार्यक्रम की सफलता एक मिशाल है त् मंचसीन हेमन्त राज, प्रमोद शुक्ला मंडल अध्यक्ष अनपरा,अभिषेक विश्वकर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष, प्रभाशंकर मिश्रा , रामचन्द्र गुप्ता,ओ पी खंडेलवाल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये त् कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष गोपाल दास गुप्ता ने सभी अतिथियो का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम को सफल बनाने में नवीन पाण्डेय महामंत्री, हरीश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, सुनील पटवा संगठन मंत्री घनश्याम गट्टानी, दीपक सिंह, प्रबुद्ध कुमार चौबे, बाल गोपाल चौरसिया, राजेश गुप्ता, मंतोष श्रीवास्तव आदि का सहयोग सराहनीय रहा कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राजेश जायसवाल बैरपान, विजेन्द्र सोनी डिबुलगंज, आकाश पाण्डेय काशी मोड़,रवि जीत सिंह कंग औड़ी मोड़, राजेश गुप्ता लैंको कालोनी,दिलिप गुप्ता बीना रोड, उदय सोनी कोलगेट रेणूसागर, प्रमोद शुक्ला रेणुसागर, विष्णु देव झां अनपरा कालोनी, शरद कुशवाहा महावीरी चौक दीपक सिंह गहरवार अनपरा गांव को केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी और अतिथियो ने अंग वस्त्र भेट कर सम्मानित किया त् इस दौरान सभी पत्रकार बन्धुओ को भी सम्मानित किया गया।

चित्र गांव चलो अभियानः अजीत रावत ने किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। जिले के गौरी शंकर मंडल के ग्राम पंचायत जैत में लोगों से उनके घरों में जाकर संपर्क किया और उन्हें सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान और उनकी जरूरतों को समझने के लिए काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में मंडल मंडल महामंत्री मोहित

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत ने 'गांव चलो अभियान' के तहत घर-घर संपर्क किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। गांव चलो अभियान के तहत अजीत रावत ने गांव के उन्होंने लोगों को बताया कि कैसे वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं और अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। इस दौरान मंदिर और अन्य प्रतिष्ठित स्थानों की स्वच्छता के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। अजीत रावत ने कहा कि गांव चलो अभियान के तहत हम गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने सिंह, बूर्थ्बिम्प् अभिजीत सिंह लौरिक, शुभम यादव बच्चा लाल यादव बाबूलाल यादव मनोज कनौजिया, रवि कुमार, आलोक रावत, मोहित सिंह, रवि पासवान, संजय कुमार भारती, राकेश कुमार चौहान और अमित कुमार भारती सहित कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

स्पोर्ट्स

मोच के चलते स्ट्रेचर पर बाहर गईं, टीम मुश्किल में दिखी तो वापस आईं, दर्द सहते हुए जड़ा शतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **नई दिल्ली।** हेली ने इस मैच में चार विकेट भी झटके। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आईं तो ओपनिंग की। 39वें ओवर में जाकर उन्हें ज्यादा तकलीफ हुई और रिटायर्ड हर्ट का फैसला लिया। वह इस मैच में दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं और जब दूसरी बार वापस आईं तो नाबाद पवेलियन लौटीं। महिला विश्व कप 2025 के क्वालिफिकेशन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने सभी फैंस को भावुक कर दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को मैच के बीच में ही मोच आई। वह दर्द से कराहती रहीं। जब उनसे बल्लेबाजी नहीं हुई तो वह स्ट्रेचर पर लेटकर मैदान से बाहर गईं (दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं)। फिर टीम को मुश्किल में देखा तो दर्द के बावजूद वापस क्रीज पर आईं और बल्लेबाजी की। दर्द में रहते हुए उन्होंने बड़े-बड़े शॉट खेले और शतक भी पूरा किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। इसे देखकर फैंस भावुक तो हुए ही, लेकिन इस बात की सीख भी मिली की कभी हार नहीं मानना चाहिए। इसका वीडियो भी सामने आया है और फैंस हेली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हेली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं। दरअसल, महिला विश्व कप 2025 क्वालिफायर में बुधवार को वेस्टइंडीज का सामना स्कॉटलैंड से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की महिला टीम 45 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विकेटकीपर सारा ब्राइस ने 55 रन और मेगन मैकॉल ने 45 रन की पारी खेली। इस दौरान हेली ने गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के चार विकेट भी झटके थे। उन्होंने 10 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम को सात पर पहला झटका लगा था। इसके बाद हेली ने जायदा जेम्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। जायदा 45 रन बनाकर आउट हुईं।

120 रन पर वेस्टइंडीज के दो विकेट गिरे थे। इसके बाद एक वक्त यानी 39वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 192 रन हो गया था। 39वां ओवर खत्म होते ही हेली मैथ्यूज से रहा नहीं गया और उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया। 39वें ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। हेली 99 गेंद में 95 रन और आलिया एक रन बनाकर क्रीज पर थीं। इतने रन तक पहुंचने में भी हेली को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें शुरुआती ओवरों में ही मोच आई थी, लेकिन जैसे तैसे शॉट लगाकर उन्होंने पारी जारी रखी थी। कई बार तो फीजियो मैदान में आए और दर्द से कराह रहीं हेली का इलाज किया। हेली दर्द से कई बार जमीन पर भी ले गईं। 39वें ओवर में उनसे नहीं रहा गया और रिटायर्ड हर्ट हुईं। हेली को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। फिर 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर जैसे ही वेस्टइंडीज का आठवां विकेट गिरा। हेली ने मैदान पर वापस आने का फैसला लिया। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने चौका लगाया और फिर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उनकी जगह कैथरीन फ्रेजर बल्लेबाजी के लिए आईं और 42वें ओवर की ही चौथी गेंद पर वह आउट हो गईं। इसके बाद मजबूरी में हेली को मैदान पर वापस आना पड़ा। अगली ही गेंद पर उन्होंने लंगड़ाते हुए एक रन लेकर शतक पूरा किया।42 ओवर तक वेस्टइंडीज का स्कोर नौ विकेट पर 205 रन था। अगले आठ ओवर में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 40 रन चाहिए थे और एक विकेट शेष था।

आर्चर की 147 की रफ्तार की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए गिल, फैंस ने किया ट्रोल; पराग के आउट होने पर विवाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **नई दिल्ली।** गुजरात की पारी के तीसरे ओवर की पहली गेंद पर आर्चर ने 147.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इनस्विंग गेंद फेंकी। गिल ने गेंद की लाइन को पूरी तरह मिस किया और गेंद ने ऑफ स्टंप

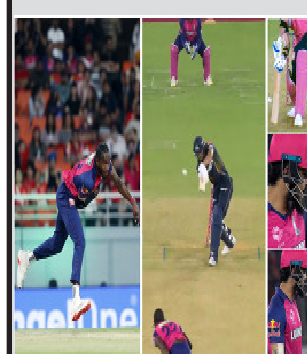

को उखाड़ दिया। इसके बाद फैंस ने गिल को जमकर ट्रोल किया है।आईपीएल 2025 में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात ने राजस्थान को 58 रन से हरा दिया। इस मैच में कई दिलचस्प पल देखने को मिले। ऐसे ही दो दिलचस्प पल के बारे में आपको बता रहे हैं, जो इस मैच में चर्चा विषय रहा। राजस्थान के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की इन स्विंग गेंद पर क्लीन बोल्ड होने के बाद शुभमन गिल को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया जा रहा है। वहीं, रियान पराग के विकेट ने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है। फैंस दो हिस्सों में बंट गए हैं। कुछ का कहना है कि वह आउट थे, जबकि कुछ का कहना है कि वह आउट नहीं थे और अंपायर के गलत फैसले का शिकार हुए। पराग का विकेट टर्निंग पॉइंट भी साबित हुआ और 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर सिमट गई।गुजरात की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। तीसरे ओवर की पहली गेंद पर आर्चर ने 147.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इनस्विंग गेंद फेंकी। गिल ने गेंद की लाइन को पूरी तरह मिस किया और गेंद ने ऑफ स्टंप को उखाड़ दिया। गिल को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। फैंस ने कहा कि आर्चर जैसे क्वालिटी गेंदबाज के खिलाफ गिल लगातार वही गलती कर रहे हैं। आर्चर के खिलाफ आईपीएल में गिल के आंकड़े भी खराब हैं। उन्होंने इस लीग में आर्चर का पांच पारियों में सामना किया है और इस दौरान 15 गेंदें खेली हैं। इस पर वह 10 रन ही बना सके हैं। आर्चर ने इस दौरान गिल को तीन बार आउट किया है। आर्चर के खिलाफ आईपीएल में गिल का औसत 3.3 का और स्ट्राइक रेट 66.6 का है। ये कम नहीं था कि राजस्थान की पारी के दौरान एक और घटना ने दर्शकों का ध्यान बटोरा। दरअसल, इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने तीन ओवर के अंदर 12 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। यशस्वी जायसवाल छह रन और नीतीश राणा एक रन बनाकर आउट हो चुके थे। इसके बाद कप्तान सैमसन ने रियान पराग के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए साझेदारी करने की कोशिश की। सातवें ओवर में एक वक्त राजस्थान ने दो विकेट गंवाकर 60 रन बना लिए थे।

गुजरात का विजयी चौका, राजस्थान की तीसरी हार; बल्ले से साई सुदर्शन और बॉलिंग में प्रसिद्ध कृष्णा चमके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **नई दिल्ली।** अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 217

रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके। वहीं, राशिद खान और साई किशोर को दो-दो विकेट मिले।गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 58 रन से हराकर जीत का चौका लगाया। पांच में से चार मुकाबले जीतकर शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम अंक तालिका में आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान को इस सत्र में तीसरी बार मुंह की खानी पड़ी है। बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 217 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके। वहीं, राशिद खान और साई किशोर को दो-दो विकेट मिले। इसके अलावा मोहम्मद सिराज, अरशद खान और कुलवंत खेजरोलिया ने एक-एक सफलता हासिल की।218 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उन्हें पहला झटका दूसरे ही ओवर में अरशद खान ने दिया। यशस्वी जायसवाल सिर्फ छह रन बना पाए। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने नीतीश राणा को पवेलियन की राह दिखाई। वह सिर्फ एक रन बना पाए। इसके बाद रियान पराग और संजू सैमसन ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 48 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान रियान ने एक चौके और तीन छक्के की मदद से 26 रन बनाए। उन्हें खेजरोलिया ने बटलर के हाथों कैच कराया।छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शिमरन हेटमायर ने 32 गेंदों में 52 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 29 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। गुजरात के खिलाफ संजू सैमसन ने 41, ध्रुव जुरेल ने पांच, शुभम दुबे ने एक, जोफ्रा आर्चर ने चार, महीश तीक्षणा ने पांच, तुषार देशपांडे ने तीन रन बनाए। वहीं, संदीप शर्मा छह रन बनाकर नाबाद रहे साई सुदर्शन की तूफानी 82 रनों की पारी बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा। 23 वर्षीय बल्लेबाज ने पांच पारियों में चौथी बार अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैच की शुरुआत में कप्तान शुभमन गिल सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद सुदर्शन को जोस बटलर का साथ मिला। दोनों के बीच 47 गेंदों में 80 रनों की साझेदारी हुई। महीश तीक्षणा ने बटलर को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह पांच चौके की सहायता से 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके सुदर्शन ने शाहरुख खान के साथ 62 रन जोड़े। 16वें ओवर में तीक्षणा ने शाहरुख को सैमसन के हाथों कैच कराया। वह भी 36 रनों की पारी खेलकर आउट हुए। गुजरात के लिए शेरफेन रदरफोर्ड ने सात और राशिद खान ने 12 रन बनाए। वहीं, राहुल तेवतिया (12) और अरशद खान (0) नाबाद रहे। राजस्थान के लिए तुषार देशपांडे और महीश तीक्षणा ने दो-दो विकेट झटके। वहीं, जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी; छह टीमें हिस्सा लेंगी, एक स्क्वॉड में होंगे इतने खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **नई दिल्ली।**क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जब वापस आएगा तो छह टीमें शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसमें

अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है।क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा एलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी।पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा। क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों को लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वॉश शामिल हैं।

पहले रियान पराग और अब संजू सैमसन, राजस्थान रॉयल्स ने दोहराई वही गलती; बीसीसीआई ने पूरी टीम को दी सजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **नई दिल्ली।** बयान में यह भी कहा गया, 'इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया जाएगा।' आईपीएल 2025 में धीमी ओवर गति के कई मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामले में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को इसकी सजा भुगतनी पड़ी है। दरअसल, गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच गंवाने के बाद सैमसन को एक और झटका लगा है। बीसीसीआई ने उन पर मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। गुजरात ने राजस्थान को इस मैच में 58 रन से करारी शिकस्त दी थी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 217 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन

पर सिमट गई। साई सुदर्शन प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।आईपीएल ने जारी विज्ञप्ति में कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2025 के मैच नंबर 23 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखी थी। चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।' बयान में यह भी कहा गया, 'इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया जाएगा।सैमसन से पहले रियान पराग पर भी धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा था। पराग ने राजस्थान के शुरुआती तीनों मैच में कार्यवाहक कप्तान की भूमिका निभाई थी। तब सैमसन चोटिल थे। गुजरात की टीम पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है।यह इस साल अब तक खेले गए 23 मैचों में पांचवीं बार है जब किसी टीम के कप्तान पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। बीसीसीआई ने सत्र शुरू होने से पहले नियमों में ढिलाई दी थी। कप्तानों को बैन करने के प्रावधान को हटा दिया गया था। उसके बाद धीमी ओवर गति के लिए इसी सत्र की शुरुआत में मुंबई के कप्तान हार्दिक पर, लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत और राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग पर और आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार पर 12-12 लाख रुपये का जुर्माना लग चुका है हार्दिक को पिछले सत्र में टीम के आखिरी मैच के दौरान धीमी ओवर गति उल्लघंन के लिए एक मैच के लिए निलंबित किया गया था। इस वजह से वह आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाए थे। हालांकि, बीसीसीआई ने अब निलंबन के नियम को हटा दिया है और सिर्फ जुर्माने से काम चलाया जाएगा। इस सत्र की शुरुआत से पहले आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने कप्तानों के साथ मीटिंग की थी और प्रतिबंध के नियम को हटाने का फैसला लिया था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

टी20 विश्व कप टाइटल रिंग के साथ विराट कोहली का जश्न, रेसलर जॉन सीना भी हुए प्रभावित, साझा की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) **नई दिल्ली।**आरसीबी के लिए खेल रहे कोहली को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले टी20 विश्व कप टाइटल रिंग को पहनते हुए देखा गया। इसके बाद उन्होंने जॉन सीना के 'यू कान्ट सी मी (ळ ऐंहू' एग श) वाले अंदाज में जश्न मनाया। इसके वीडियो पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। आइए पूरा मामला जानते हैं...विराट कोहली को मौजूदा समय में खेल की दुनिया का बेताज बादशाह माना जाता है। देश विदेश के कई एथलीट उन्हें पहचानते हैं और उनसे मुलाकात भी करते रहते हैं। विराट ने पिछले एक साल में टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में दो-दो आईसीसी के खिताब जीते हैं। हाल ही में वह टी20 विश्व कप में मिली टाइटल रिंग के साथ जश्न मनाते दिखे। इसका जश्न उन्होंने कुछ इस तरह मनाया कि डब्ल्यूडब्ल्यूई (वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट) के दिग्गज पहलवान और अभिनेता जॉन सीना भी खुद को प्रतिक्रिया देने से नहीं रोक सके। जॉन सीना ने अपने इंस्टग्राम हैंडल से कोहली की तस्वीर साझा की है। दरअसल, आरसीबी के लिए खेल रहे कोहली को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले टी20 विश्व कप टाइटल रिंग

को पहनते हुए देखा गया। इसके बाद उन्होंने जॉन सीना के 'यू कान्ट सी मी (ळ ऐंहू' एग श) वाले अंदाज में जश्न मनाया। यह जॉन सीना का आइकॉनिक सेलिब्रेशन पोज है। इस पर फैंस के कई कमेंट आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी इस पर कमेंट किया है। इससे पहले कोहली के वीडियो को शेयर करते हुए आरसीबी ने लिखा, 'उनका (कोहली) समय अब हमेशा रहेगा। विराट कोहली ही अब असली अनुभूति हैं। गाना- जॉन सीना (माय टाइम इज नाऊ)।' कोहली जॉन सीना का पोज देते हुए मुस्कुराते भी हैं। विराट पिछले साल टी20 विश्व कप के दौरान ग्रुप स्टेज में अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाए थे। हालांकि, फाइनल में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की बहुमूल्य पारी खेली थी और टीम इंडिया को बारबाडोस में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोहली ने उस टूर्नामेंट में आठ मैचों में 112 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए थे।हालांकि, उनके ओवरऑल टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड की बात करें तो कोहली ने 125 मैचों में 48.69 की औसत और 137 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए। इनमें 38 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं। टी20 विश्व कप के बाद कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। मौजूदा आईपीएल सत्र में कोहली अब तक चार मैचों में 54.67 की औसत से 164 रन बना चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट 134 से ज्यादा का रहा है। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, जॉन सीना फिलहाल डब्ल्यूडब्ल्यूई का हिस्सा हैं। इस साल वह रेसलमेनिया में "अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप के लिए कोडी रोड्स से भिड़ते नजर आएंगे। अगर वह यह खिताब जीतते हैं तो 17वीं बार चैंपियन बनेंगे। इस साल डब्ल्यूडब्ल्यू का सबसे बड़ा रेसलिंद इवेंट रेसलमेनिया का आयोजन 20 अप्रैल को नेवाडा में होगा। यह रेसलमेनिया का 41वां सत्र होगा। यह रेसलिंग इवेंट जॉन सीना का आखिरी रेसलिंग इवेंट होगा। उन्होंने पिछले साल ही इस रेसलिंग इवेंट के बाद रेसलिंग से संन्यास का एलान किया था।

सम्पादकीय

मंदी आई तो क्या होगा ट्रंप की टैरिफ नीति पर उठे कई सवाल

कई विश्लेषकों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से अमेरिका सहित विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी आ सकती है। इस विषय को समझने के लिए पहले ट्रंप की दृष्टि को समझना होगा। ट्रंप इससे चिंतित हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का लाभ बढ़ रहा है और अमेरिका द्वारा पूरे विश्व से भारी मात्रा में ऋण लिया जा रहा है, लेकिन अमेरिकी श्रमिकों के वेतन सपाट बने हुए हैं। वर्ष 2000 से 2023 के बीच अमेरिकी कंपनियों का लाभ 500 अरब डॉलर से बढ़कर 3,500 अरब डॉलर हो गया। इसमें सात गुना वृद्धि हुई। इसी अवधि में

अमेरिका द्वारा लिया जाने वाला ऋण 5.6 ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर से बढ़कर 33.2 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसमें भी लगभग छह गुना वृद्धि हुई, लेकिन इसी अवधि में एक अमेरिकी श्रमिक का औसत वेतन 335 डॉलर प्रति सप्ताह से बढ़कर 375 डॉलर प्रति सप्ताह ही हो पाया। इसमें मात्र 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ट्रंप का लक्ष्य है कि अमेरिकी श्रमिकों के वेतन में वृद्धि हो और अमेरिका द्वारा लिया जाने वाला ऋण घटे, क्योंकि इतनी भारी मात्रा में ऋण लेने से अमेरिका की आर्थिक संप्रभुता पर संकट आ सकता है। ट्रंप द्वारा आयात कर यानी टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका में आयातित होने वाली वस्तुओं के दाम में वृद्धि होगी। जैसे, जो विदेशी कार वर्तमान में 20,000 डॉलर में बिक रही है, वह आयात कर आरोपित होने के बाद 25,000 डॉलर में बिकेगी। इस कारण अमेरिकी नागरिकों की खपत में गिरावट आ सकती है। जो परिवार 20,000 डॉलर में कार खरीदने को उत्सुक था, वह उसी कार को 25,000 डॉलर में खरीदने से शायद हिचकेगा। अमेरिका में खपत घटने से मंदी आ सकती है। जेपी मार्गन बैंक ने मंदी की 60 प्रतिशत तक आशंका व्यक्त की है। हालांकि मेरी समझ से यह आकलन सही नहीं है। कहानी का दूसरा पहलू देखें तो आयातित कार महंगी होने से अमेरिका में उत्पादित कार सस्ती पड़ने लगेगी। अमेरिकी कार का उत्पादन बढ़ेगा। मान लीजिए 20,000 डॉलर की अमेरिकी कार के उत्पादन में 1,000 डॉलर का पार्ट भारत से बनकर आता है। ट्रंप द्वारा आयात कर बढ़ाने के कारण यह पार्ट अब 1,300 डॉलर में आयातित होगा। अमेरिकी कार का विक्रय मूल्य 20,000 से बढ़कर 20,300 डॉलर हो जाएगा। तुलना में आयातित कार 25,000 डॉलर में आयातित होगी। इसलिए पाट्र्स पर बढ़े हुए आयात कर को अदा करना अमेरिकी उद्यमियों के लिए लाभप्रद होगा और अमेरिका में उत्पादन बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी सरकार को 300 डॉलर की आय होगी, जिससे सरकार का वित्तीय घाटा कम होगा और अमेरिका का ऋण कम होगा। हालांकि इसमें दूसरा संकट यह है कि यदि दूसरे देशों ने जवाबी आयात कर में वृद्धि की तो अमेरिकी निर्यात प्रभावित होंगे, जिससे वहां के उद्यमों को नुकसान पहुंचेगा। निश्चित ही कुछ क्षेत्रों में ऐसा होगा, लेकिन यह नुकसान न्यून ही होगा। हर देश के उद्यमी दूसरे बाजार की खोज करेंगे। जैसे अमेरिका में टोयोटा का ट्रक महंगा पड़ने के कारण अमेरिकी निर्माता ट्रक का उत्पादन बढ़ाएंगे। अमेरिका में उत्पादन बढ़ने से वहां श्रम की मांग बढ़ेगी। इसका अंतिम प्रभाव सकारात्मक होगा। इसी प्रकार भारत में अमेरिका से आयातित होने वाले माल के स्थान पर घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। जैसे अमेरिका से आयातित होने वाले बिजली के उपकरणों के स्थान पर बिजली के घरेलू उपकरणों का उपयोग बढ़ेगा। इस उठापटक में कुछ समय तक बाजार में मंदी आएगी, परंतु दीर्घकाल में प्रभाव सकारात्मक होगा। मूल बात यह है कि टैरिफ बढ़ाने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादन करना अधिक लाभप्रद हो जाएगा। घरेलू उत्पादन बढ़ने से वहां पर श्रमिकों की मांग बढ़ेगी और श्रमिकों के वेतन भी बढ़ेंगे। अमेरिका में एक्साइज ड्यूटी एवं आयात कर की वसूली बढ़ेगी। घरेलू कंपनियों का लाभ बढ़ेगा। वे अधिक कर अदा करेंगी। इन सब कारणों से अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप की नीति मूल रूप से सही है। टैरिफ नीति का दूसरे देशों पर अल्प समय में नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जैसे भारत से 1,000 डॉलर मूल्य के कलपुर्जे बेचने वाले उद्यमों के निर्यात प्रभावित होंगे। भारत में उत्पादन के स्तर पर तत्काल कुछ गिरावट आएगी।

राजनीति पर असर डालने वाला कानून, मुस्लिम आधार पर राजनीति करने वाले दलों का सियासी वजूद खतरे में

नया वक्फ कानून लागू होने के बाद कुछ राजनीतिक दल, गैर सरकारी संस्था-एनजीओ और मुस्लिम संगठन उसे असंवैधानिक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक जा पहुंचे हैं, जबकि कुछ इसकी तैयारी

में अपने कानूनी हथियार की धार तेज कर रहे हैं। आखिर इस कानून को लेकर इतना राजनीतिक हंगामा क्यों मचा है इसकी एक वजह ऐसी है, जिस पर कम ही लोगों का ध्यान गया है। इस कानून से मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने वालों का रसूख कमजोर होता दिख रहा है। कुछ दलों को लगता है कि अगर मुस्लिम समुदाय बंटा तो उनकी राजनीति पस्त पड़ सकती है।अपने देश में आजादी के बाद से ही पंथनिरपेक्षता के नाम पर तुष्टीकरण की राजनीति जारी है। मुस्लिम समुदाय को लेकर धारणा यह बनी कि वह थोक वोट बैंक है। पहले आम चुनाव में विभाजन का दर्द और स्वाधीनता संघर्ष का गर्वबोध ताजा-ताजा था, जिसकी प्रतिनिधि कांग्रेस थी, लिहाजा ज्यादातर मतदाताओं ने उसे पसंद किया, लेकिन बाद के दिनों में परिपक्व होता वोटर अपनी दृष्टि से राजनीतिक दलों को परखने लगा। दूसरी ओर, अल्पसंख्यकवाद के कवच से मुस्लिम वोट बैंक भी मजबूत होता चला गया।नए वक्फ कानून के खिलाफ बेशक मुस्लिम समुदाय का एक हिस्सा नाराज दिख रहा है, पर एक तबका समर्थन में भी उठ खड़ा हुआ है। इनमें अजमेर दरगाह के चिश्ती सैयद नसीरुद्दीन के साथ ही आल इंडिया सूफी सज्जादनशीं कौंसिल, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, भारत फर्स्ट जैसी संस्थाएं हैं। आल इंडिया इमाम आर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी भी नए वक्फ कानून के समर्थन में हैं। समर्थकों की सूची में जमीयत हिमायत उल इस्लाम, पसमांदा मुस्लिम महाज और पसमांदा मुस्लिम समाज भी है।समर्थकों में सबसे ज्यादा मुस्लिम पसमांदा समाज के लोग हैं। जिन्हें आज की राजनीतिक भाषा में वंचित और शोषित कहा जाता है, वही पसमांदा हैं।

सिनौली उत्खनन ने सिद्ध किया, आर्य भारत के मूलनिवासी

भारत की परतंत्रता व पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया की आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी त् कहा जाता था की 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य

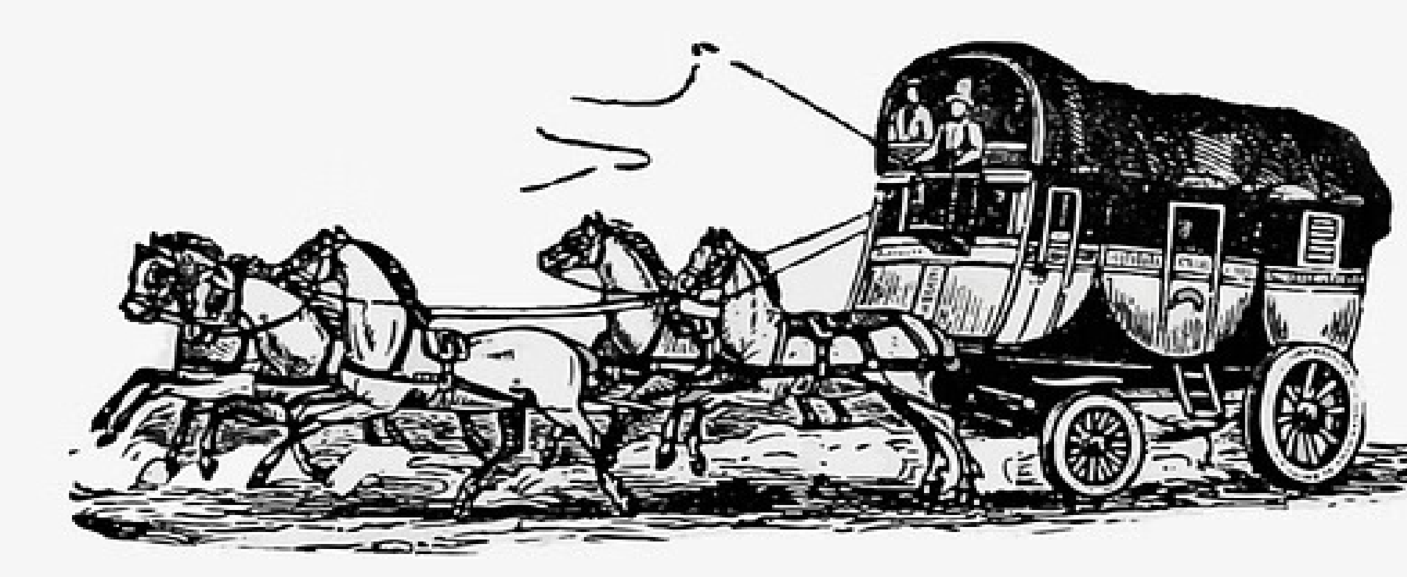

भारत में रथ लेकर आए त् परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं वैदिक काल और आर्य यह दो ऐसे शब्द हैं जो भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के इतिहासकारों व आमजनमानस को 19वीं शताब्दी से आकर्षित किए हुए हैं त् अंग्रेजों के भारत में स्थापित हो जाने के बाद उनके इतिहासकारों ने मजबूती से इस बात को स्थापित करने का प्रयास किया की आर्य नामक एक जातीय समूह 1500 ईसा पूर्व में मध्य एशिया से चलकर भारत आयात् उनके अनुसार ये वही लोग थे जो भारत में अपने साथ घोड़े व रथ लेकर आए त्भारत की परतंत्रता व पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया की आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी त् उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हिंडन व यमुना नदी के मध्य में स्थित सिनौली नामक पुरास्थल से सन् 2018 -19 में मिले पुरावशेषों ने यूरोपीय इतिहासकारों व उनके अनुगामी भारतीय इतिहासकारों द्वारा रचित आर्य आगमन के मिथक को धराशाई करने का कार्य किया है त्कहा जाता था की 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य भारत में रथ लेकर आए त् परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं त् इतना ही नहीं, भारत के प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में रथों को सूर्य किरणों से आलोकित होने की चर्चा की गई है सिनौली से मिले काष्ठ निर्मित रथों के पहियों में ताम्बे से जो जड़ाई का कार्य किया गया है वह सूर्य के फैलते हुए प्रकाश जैसा ही है त् इस प्रकार सिनौली से मिले रथ व ऋग्वेद में वर्णित रथों में साम्यता है त् यहां यह बात भी उल्लेखनीय है की हड़प्पा उत्खनन की विवरणिका (1940) में भी ताम्र निर्मित रथ प्राप्त होने का विवरण उपलब्ध है । दुर्भग्यवश इस रथ की बात इतिहास की किसी पुस्तक में नहीं की गई है। जहां तक बात घोड़े की है तो सिनौली के उत्खननकर्ता के अनुसार रथ के वजन व माप के अनुसार यह रथ घोड़े के द्वारा खींचना ही सम्भव थात् इतना ही नहीं, घोड़े के अवशेष सरस्वती सिंधु सभ्यता के विभिन्न पुरास्थल जैसे सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, शिकारपुर आदि स्थानों से प्राप्त हुए हैं घोड़े के इन अवशेषों का उल्लेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की उत्खनन विवर्णिकाओं में उपलब्ध है दुर्भाग्यवश रथ की तरह घोड़े के साक्ष्यों को भी इतिहास की पुस्तकों में स्थान नहीं दिया गया । पुरातात्विक साक्ष्यों व ऋग्वेद के वर्णन से यह स्पष्ट हो जाता है की रथ व घोड़े भारत में 2000 ई. पू. के पहले से विद्यमान थेत् अतः रथ व घोड़े के आधार पर आर्य आगमन की बात करना तथ्यहीन ह सिनौली में हुए उत्खनन से हमें योद्धाओं द्वारा पहने जाने वाले ताम्र निर्मित शिरस्त्राण भी मिले हैं त् यह शिरस्त्राण मृत शरीर के साथ ही दफनाए गए थे त् भारत में इससे पूर्व इस काल के शिरस्त्राण प्राप्त नहीं हुए थे त् ऋग्वेद के छठे मंडल में वैदिक देवता मरुतों के द्वारा युद्ध में जाते समय शिरस्त्राण पहने जाने के उल्लेख है त् यह पुरावशेष भी सिनौली के लोगों में प्रचलित वैदिक परम्परा का ही द्योतक सिनौली से ही मिले कई शवाधानों में एक शवाधान में स्थित काष्ठ निर्मित एक शवपेटिका ऐसी भी है जिसपर ताम्बे की नौ मुखाकृतियां बनाई गई हैं त् इन मुखाकृतियों ने बैल के सींग युक्त मुकुट पहने हैं त् निश्चित तौर पर शवपेटिकाओं पर बनी इन मुखाकृतियों का कोई धार्मिक प्रयोजन है यहां इस बात का उल्लेख आवश्यक हो जाता है की ऋग्वेद में इंद्र व अग्नि को बैलों के सींग से युक्त मुकुट पहनाए जाने की चर्चा की गई है त् पुरातत्वविदों का ऐसा मत है की यह मुखाकृतियां वैदिक देवता इन्द्र और अग्नि की हैं त् भारतीय जनमानस में दीर्घकाल से यह भ्रम रहा है की उनके समाज में मृत्योपरांत शव को केवल जलाने की ही परम्परा रही है ऋग्वेद के दसवें मंडल में शवों को दफनाने के कई उल्लेख उपलब्ध हैं त् भारतीय समाज में आज भी शवों को जलाने व भू समाधी देने की परम्परा विद्यमान है ।कई पाश्चात्य विद्वानों ने सिनौली के इन रथों को मध्य एशिया से आने वाले तथाकथित आर्यों से जोड़ने का प्रयत्न किया है त् जिन आर्यों के आगमन का समय पूर्व में 1500 ई.पू. बताया जाता था उसे अब 2000 ई.पू. ले जाने के प्रयत्न किये जा रहे हैं त् परन्तु ये इतिहासकार यह भूल जाते हैं की सिनौली के कंकालों का डीएनए व राखीगढ़ी से मिलने वाला 2500 ई.पू. का डीएनए समान है त् ऐसे में सिनौली के लोगों को मध्य एशिया से आए आर्य बताना पूर्णतः तथ्यहीन है इसके साथ ही अमेरिकी मानव वैज्ञानिक लुकॉक्स व कैनेडी के शोध के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में 800 ई.पू. तक की जनसंख्या में कोई मध्य एशियन डीएनए उपलब्ध नहीं हैत् डीएनए पर कुछ ऐसा ही परिणाम हाल ही में हुए शोध कार्यों में भी प्राप्त हुआ है त् साथ ही, यदि सिनौली के निवासी पश्चिम दिशा से आए थे तो सिनौली जैसे पुरावशेष उस क्षेत्र से भी प्राप्त होने चाहिए लेकिन ऐसे कोई पुरावशेष हमें आगमन - के उस मार्ग पर दिखाई नहीं देते । ऋग्वेद में वर्णित शवों को दफनाने की परम्परा, सिनौली से मिलने वाले शवाधान व पुरावशेषों के ऋग्वेद में वर्णित श्लोकों से साम्यता इस बात की ओर इंगित करती हैं की सिनौली में आज से 4000 वर्ष पूर्व रहने वाले लोग वैदिक परम्परा के अनुयायी थे त् इतना ही नहीं राखीगढ़ी व सिनौली से मिले कंकालों के डीएनए में साम्यता इस बात का अकाट्य प्रमाण है की 1500 ई.पू. में आर्य नामक कोई मानव समूह घोड़े युक्त रथों पर सवार हो मध्य एशिया से भारत में नहीं आया भारत में आज से 4000 वर्ष पूर्व के पहले से ही वैदिक मान्यताओं का अनुसरण करने वाले लोग रहा करते थे और वे इसी भूमि के मूलनिवासी थे ।

परिवार को बचाने की चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई चिंता

हाल में उच्चतम न्यायालय ने परिवारों के टूटने और उनके स्वरूप बदलने पर गहरी चिंता प्रकट की। अदालत ने कहा, 'हम तो वसुधैव कुटुंबकम् में विश्वास करते हैं, लेकिन हमारे देश में पारिवारिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं। हमारे यहां माता-पिता और बच्चों के बीच भी

पारिवारिक मूल्य नहीं बचे हैं। वे जमीन-जायदाद के झगड़ों के लिए अदालतों तक पहुंच रहे हैं। हमारे यहां वन परसन-वन फैमिली का विचार जगह बना रहा है। यदि बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए जरूरी हो, तो बच्चों को जमीन-जायदाद से बेदखल किया जा सकता है, मगर जिस मामले की हम सुनवाई कर रहे हैं, वहां तो लड़का माता-पिता की देखभाल करता है।' अदालत ने ट्रिब्यूनल के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें बेटे से घर खाली करने को कहा गया था। यह सच है कि कई बार माता-पिता सचमुच बच्चों द्वारा सताए जाते हैं, लेकिन कई बार वे सिर्फ अपनी ही चलाना चाहते हैं और जरा भी झुकने को तैयार नहीं होते। अपने देश में जो भी थोड़े-बहुत पारिवारिक मूल्य बचे हैं, उनका लगातार क्षरण हो रहा है। अपने यहां स्त्रियों को परिवार और आदर्शों के नाम पर तरह-तरह से परेशान किया गया है, सताया गया है। अब जब स्त्रियां लगातार शिक्षित हो रही हैं, आत्मनिर्भर बन रही हैं, तो उन्हें परिवार का वह स्वरूप नहीं चाहिए, जिसमें उन्हें हमेशा सेविका के रूप में ही देखा जाए। यह ठीक भी है। अपने देश में परिवार का स्वरूप स्त्रियों के लिए शोषण मूलक भी रहा है, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं कि परिवार संस्था को एकदम ही खत्म कर दिया जाए। आज भी परिवार से बड़ी शक्ति दुनिया भर में दूसरी नहीं है। तभी तो पश्चिम परिवार और पारिवारिक मूल्यों की गुहार लगा रहा है। हालांकि वहां परिवार के लोगों द्वारा देखभाल को भी केयर इकोनमी का नाम दिया जाता है और इसके बदले पैसे देने की मांग की जाती है। भारत में भी ऐसी मांग उठती रहती है। अपने देश में ऐसे संयुक्त परिवार तो शायद बहुत ही कम बचे होंगे, जहां दादा-दादी, माता-पिता, चाचा, ताऊ, उनके बाल बच्चे सब इकट्ठे रहते हों। अब तो परिवार का मतलब पति-पत्नी और बच्चे ही रह गए हैं। दशकों से एकल परिवारों को आदर्श बताया जाता रहा है। आपको शायद याद हो कि हमारे यहां परिवार नियोजन के विज्ञापन कहते थे-हम दो, हमारे दो। यदि आज परिवारों के ढांचे पर नजर डालें, तो आम तौर पर मध्यवर्गीय परिवारों में एक बच्चे का चलन बढ़ा है। चाहे लड़का हो या लड़की, सिर्फ एक बच्चा। इसके कारण आर्थिक और सामाजिक भी हैं। मध्यवर्ग की अधिकांश महिलाएं नौकरी करती हैं। वे न अधिक बच्चों को जन्म दे सकती हैं, न ही उनके पालने-पोसने, शिक्षा के लगातार महंगे होने के खर्चे ही उठाए जा सकते हैं। हालांकि चीन की एक बच्चा नीति के दुष्परिणाम भी हमने देखे ही हैं। ऐसे में यदि एक बच्चा है, तो उनकी पीढ़ी ऐसी होगी, जिनके आसपास बहुत से रिश्ते नहीं होंगे। जैसे जिनका एक बेटा है, उसकी कोई बहन नहीं होगी। इस लड़के का मान लो कोई बच्चा हुआ तो वह बुआ और उसके बच्चों के रिश्तों को भी नहीं जानेगा। जिनकी एक बेटी है, उसका कोई भाई नहीं होगा। भाभी और उसके बाल-बच्चे नहीं होंगे। चचेरे, ममेरे, फुफेरे आदि भाई-बहनों की तो गिनती ही कहां। ये रिश्ते भी होते हैं, इन्हें यह पीढ़ी भूल चुकी होगी। अब तो तमाम बुजुर्ग यह कहते दिखते हैं कि हमने अपने बच्चे पाल दिए। अब बच्चे अपने बच्चे पालें। यों कहावतों में ये बातें अब भी जिंदा हैं कि मूल से सूद ज्यादा प्यारा होता है। दादा-दादी, नाना-नानी अपने बच्चों की जिस तरह देखभाल करते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता। कई बार अदालतों के फैसले भी इन धारणाओं को तोड़ते हैं। हाल में एक अदालत ने कहा था कि बच्ची की देखभाल दादी उस तरह नहीं कर सकती, जैसे मां कर सकती है। मां और पिता के बीच बच्ची की कस्टडी का मामला चल रहा था। पिता का कहना था कि मां की अनुपस्थिति में उसकी मां बच्ची की अच्छी तरह से देखभाल कर सकती है, लेकिन अदालत ने इसे नहीं माना। जबकि पश्चिम में माना जा रहा है कि केवल माता-पिता ही नहीं, दादा-दादी भी बच्चों की अच्छी देखभाल कर सकते हैं। पिछले दिनों स्वीडन में एक नया कानून बनाया गया है, जिसमें दादा-दादी को भी अपने बच्चों के बच्चों की देखभाल के लिए तीन महीने की पेरेंटिंग लीव मिल सकेगी। यानी वहां बुजुर्ग अपने नाती-पोतों की देखभाल करना चाहते हैं और माता-पिता को भी इससे कोई आपत्ति नहीं है। पश्चिम परिवार की तरफ दौड़ रहा है। वहां के नेता अपने-अपने देश में बच्चों के विकास के लिए परिवार को वापस लाने की बातें कर रहे हैं। इसके लिए नारे दे रहे हैं और चुनाव जीत रहे हैं। पश्चिम ने पहले परिवार को तोड़ा। तमाम विमर्शों के जरिये स्त्री-पुरुष को एक-दूसरे का दुश्मन और बच्चों को बोझ की तरह बताया। कोख को स्त्री की सबसे बड़ी मजबूरी और कमजोरी कहा। अकेलेपन की बहुत गुलाबी और सुविधाओं, संसाधनों से भरी तस्वीर पेश की। अब बच्चे चाहिए, परिवार चाहिए, पारिवारिक मूल्य चाहिए। पहले नकारात्मक विचारों के डायनामाइट लगाकर अच्छे मूल्यों को नष्ट किया। अब सब कुछ पुराना चाहिए, लेकिन पुराना उस तरह से कभी नहीं लौटता, जिसके हमने स्वप्न देखे होते हैं। वह ट्रेजेडी या कामेडी ही बन सकता है। इससे पहले कि अपने यहां परिवार पश्चिम की राह चलें, उन्हें बचाने की जरूरत है।

महुआ मोइत्रा का दावा- दिल्ली के सीआर पार्क में मछली की दुकानें बंद करा रहे भाजपाई, आप भी हमलावर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि दक्षिणी दिल्ली के बंगाली बहुल चितरंजन पार्क इलाके में भाजपा

से जुड़े लोग मछली की उन दुकानों को बंद करा रहे हैं, जो मंदिर के आसपास हैं। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि दक्षिणी दिल्ली के बंगाली बहुल चितरंजन पार्क इलाके में भाजपा से जुड़े लोग मछली की उन दुकानों को बंद करा रहे हैं, जो मंदिर के आसपास हैं। इसका एक वीडियो शेयर करते हुए तृणमूल सांसद ने एक्स पर लिखा कि ये देखिए, भगवा ब्रिगेड के भाजपाई दिल्ली के चितरंजन पार्क में मछली खाने वाले बंगालियों को धमका रहे हैं। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि 60 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ था। सांसद मोइत्रा के इस दावे पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उधर, भाजपा ने इस दावे को सिरे से खारिज किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस दावे की निंदा करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की गुजारिश की है।महुआ मोइत्रा के वायरल वीडियो में कुछ लोग कहते दिख रहे हैं कि मंदिर परिसर शुद्ध रहना चाहिए। मंदिर के साथ जो चीज हो रही है, वो कहीं न कहीं सभी सनातनियों को ठेस पहुंचा रही है। इसी वीडियो को शेयर करते हुए महुआ मोइत्रा ने एक के बाद एक एक्स पर कई पोस्ट की। तृणमूल सांसद ने लिखा कि सीआर पार्क में जिस मंदिर पर भाजपा के लोग दावा कर रहे हैं, उसे बाजार में नॉन वेज बेचने वालों ने बनवाया था। वह यहां पूजा करते हैं। बड़ी पूजा यहां होती है। महुआ मोइत्रा ने बांग्ला भाषा में लिखे गए एक व्हाट्सएप मैसेज का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया।दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक बयान में कहा कि सभी को मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए और सीआर पार्क में मछली बाजार के व्यापारियों ने हमेशा मंदिरों का सम्मान किया है। सचदेवा ने कहा कि मछली बाजार कानूनी रूप से आवंटित किए गए हैं और इस क्षेत्र में एक आवश्यकता है। मछली व्यापारी क्षेत्र में उच्च स्तर की स्वच्छता बनाए रखते हैं और नियमित रूप से सीआर पार्क की सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। महुआ मोइत्रा द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वीडियो ऐसा प्रतीत होता है कि सीआर पार्क में सामुदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए निहित राजनीतिक स्वार्थ वाले लोगों द्वारा तैयार किया गया है। बयान में कहा गया कि हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं और दिल्ली पुलिस से सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।आम आदमी पार्टी ने भी भाजपा पर हमला बोला है। दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने मीडिया से कहा कि भाजपा सिर्फ गरीबों पर जोर आजमा सकती है, लेकिन फाइव स्टार होटलों में बिक रहे नॉनवेज को बंद कराने की उसकी हिम्मत नहीं है। चित्तरंजन पार्क में मां दुर्गा की पूजा होती है और मांसाहारी भोजन भी मिलता है। नवरात्र में नॉनवेज खाने की बंगाली समाज की संस्कृति है। भाजपा को भारत की संस्कृति के बारे में कुछ नहीं पता है। ये लोग व्हाट्सएप पर जो देख लेते हैं, उसे ही सच मान लेते हैं। बंगाल की संस्कृति की अनदेखी भाजपा को भारी पड़ेगी।वहीं, नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने चितरंजन पार्क में मछली बाजार को लेकर खड़े हुए विवाद पर कहा कि भाजपा गरीब मछली विक्रेताओं पर अत्याचार करने के बजाय डीडीए से क्यों नहीं सवाल करती है।

जलवायु टावर्स आरडब्ल्यूए के प्रेजिडेंट ग्रुप कैप्टन एके सिंह और जनरल सेक्रेटरी ज्योति त्रिपाठी बनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सेक्टर 47 जलवायु टावर्स सोसायटी की आरडब्ल्यूए का गठन किया गया। जिसमें रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन एके सिंह को अध्यक्ष और ज्योति डी त्रिपाठी को महासचिव चुना गया। इससे पहले भटनागर व अनिल सिसोदिया चुनाव अधिकारी रहे। इनकी निगरानी में ही चुनाव कराया गया। जिसमें चुनाव में एर्छ्रें पैनेल विजयी रहा। इसके बाद 9 अप्रैल को बोर्ड मीटिंग के बाद सर्वसम्मति से रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन एके सिंह

6 अप्रैल को बोर्ड मेंबर का चुनाव किया गया। जिसमें 7 सदस्य जीतकर आए। उनमें से ही सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। जलवायु टावर्स सेक्टर 47 नोएडा के आरडब्ल्यूए के बोर्ड के सात सदस्यों का चुनाव पिछले रविवार 6 अप्रैल को सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य रूप से दो पैनेल एर्छ्रें और ऍंख्ऊघ् आमने सामने थे, वहीं एक प्रत्याशी निर्दलीय थे। रिटायर्ड एवीएम जेएस पानेसर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, रिटायर्ड कमोडोर वीएस प्रेजिडेंट, आसिम अफसर वाइस प्रेजिडेंट, ज्योति डी त्रिपाठी जनरल सेक्रेटरी, ऋषि जैन ट्रेजरार, प्रवीन सेठ असिस्टेंट ट्रेजरार, आशीष सोनी व शशांक चतुर्वेदी मेंबर चुने गये। बोर्ड ने निवासियों व सोसायटी के हित में काम करने की शपथ ली। प्रेजिडेंट ग्रुप कैप्टन एके सिंह और जनरल सेक्रेटरी ज्योति त्रिपाठी ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि सोसायटी निवासियों ने जो जिम्मेदारी दी है उसे सभी पदाधिकारियों के सहयोग से पूरा करेंगे।

लू की लहर से मिलेगी राहत, आज करवट लेगा मौसम, तापमान में इतनी आएगी कमी; पढ़ें पूर्वानुमान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव आया है। तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में चार स्थानों पर लू की स्थिति बनी फिर से बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। मौसम विभाग के अनुसार, 11 अप्रैल तक बारिश होने की संभावना है। उधर, उत्तराखंड में मौसम बदल चुका है। चमोली के थराली में तेज आंधी तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के लाहौल- अधिक के साथ 40.5 दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री अधिक 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में चार स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही। सबसे अधिक तापमान

रही। राजधानी में बृहस्पतिवार को बहुत हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। साथ ही, गरज के साथ बिजली चमकेगी। इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज सतही हवाएं चलेंगी। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। इसके चलते लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव आया है। ऐसे में तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट होगी। इसके अलावा, पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद तापमान में एक बार स्पीति में बर्फबारी हुई। उत्तर प्रदेश में भी कल से मौसम करवट लेने जा रहा है दिल्ली में इस बार लोगों को असामान्य गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही निकलने वाली धूप के चलते पारा तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार को दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में तेज धूप निकली। नो बजे के बाद से ही लोगों को तपिश महसूस होने लगी। दोपहर के समय खासतौर पर खुले में काम करने वाले और दोपहिया वाहन चालकों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान लोगों को लू के थपेड़ों का अहसास हुआ। ऐसे में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस आया नगर में रिकॉर्ड किया गया। यहां अधिकतम तापमान 40.9 दर्ज किया गया। वहीं, सफदरजंग, रिज के अलावा पालम में भी पारा 40 डिग्री के पार चला गया। सफदरजंग में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस, तो आया नगर मौसम केन्द्र में अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। इसके चलते दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

विश्व भरण पोषण कर जोई, ताकर नाम भरत अस होई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। रामायण हमें जीना सिखाती है - स्वामी पंचमानंद जी महाराज नोएडा सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद का अपनी चरण रज से उद्धार करते हैं। इसके बाद जनकपुर में विश्वामित्र जी के साथ आगमन होता है आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 10 अप्रैल को धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद, राम जानकी विवाह आदि प्रसंगों का सुंदर

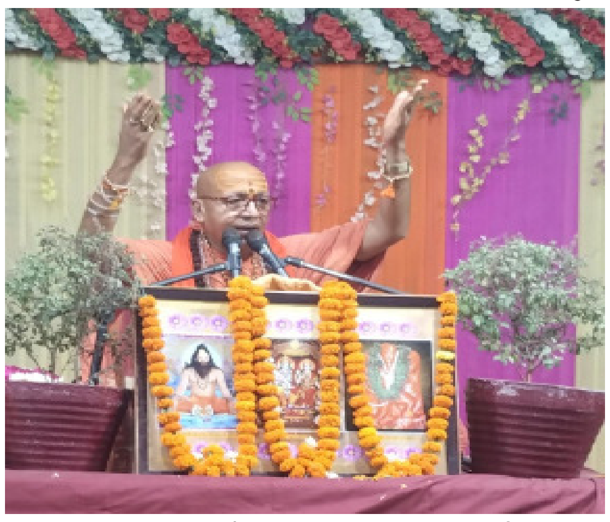

महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं , विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। विश्वामित्र जी वन में यज्ञ करते हैं लेकिन राक्षस उनके यज्ञ में बाधा डालकर उसको पूर्ण नहीं होने देते हैं । विश्वामित्र जी ध्यानस्थ होकर देखते है तो उन्हें पता चलता है कि दशरथ पुत्र राम स्वयं विष्णु अवतार हैं और उनके बिना राक्षसों का संघार नहीं हो सकता है। दशरथ जी से राम ,लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए मांगते है। भगवान राम रास्ते में तड़का जैसी भयंकर राक्षसी का वध कर देते हैं साथ ही अन्य राक्षसों का वध कर यज्ञ को पूर्ण करवाते हैं। मुनि विश्वामित्र के साथ जाते समय रास्ते में गौतम ऋषि के श्रापवश पाषाण शिला बनी अहिल्या वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा इस अवसर पर देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, संजय शुक्ला, रमेश चंद शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, गौरव, पप्पू सिंह, जितेंद्र सतपति, उमाकांत त्रिपाठी, हंसमणि शुक्ला, विकास शर्मा, रविंद्र कुमार , देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, रमेश दास, अंगद सिंह तोमर , सुशील पाल , उपेन्द्र सिंह, शिव चौधरी, सी एल तिवारी, रंजन गिरि, धर्मेंद्र सिंह, अनूप सिंह, जितेंद्र सिंह, वी के मिश्रा, आर के शर्मा, मिथलेश कुमार राय, दीपक तिवारी, विकास कुमार, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रमेश चंद्र गुप्ता, नवल किशोर मिश्र, नागेश सिंह, सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

पीडब्लूडी करेगा भूकंप जोखिम का आकलन, सरकारी इमारतों की सुरक्षा के लिए होगी जांच; इसलिए किया फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अब सभी सरकारी इमारतों के भूकंपीय जोखिम का मूल्यांकन होगा। शुरुआत में अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केंद्र व अन्य महत्वपूर्ण भवनों की जांच होगी। के भूकंप के मद्देनजर भवन संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। आदेश में भवनों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत

राजधानी की सभी सरकारी इमारतों को भूकंप से बचाने और जानमाल के खतरे को कम करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने योजना बनाई है। अब सभी सरकारी इमारतों के भूकंपीय जोखिम का मूल्यांकन होगा। शुरुआत में अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केंद्र व अन्य महत्वपूर्ण भवनों की जांच होगी। इस दौरान देखा जाएगा कि इन भवनों का निर्माण कैसे किया गया है और भूंकपरोधी क्या उपाए किए गए हैं। साथ ही, आपात स्थिति के लिए वैकल्पिक मार्ग हैं या नहीं। बुधवार को इस संबंध में पीडब्ल्यूडी की तरफ से आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसमें बताया गया है कि हाल ही में म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता रखरखाव वाले सभी भवनों की स्थिति की तत्काल जांच की जाएगी। राष्ट्रीय भवन संहिता और स्थानीय उपनियमों का सख्ती से पालन होगा। नियमित निरीक्षण और उल्लंघन पर कार्रवाई को अनिवार्य बनाया गया है।अस्पताल, स्कूल, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केंद्रों समेत महत्वपूर्ण इमारतों की जांच के बाद जिस भी इमारत में कोई कमी पाई जाएगी तो उसे ठीक किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि भवनों को मजबूत करने के लिए रेट्रोफिटिंग या उन्नयन की योजना बनाई जाएगी। वर्तमान में सभी इमारतों की जांच होगी। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर तीन माह के भीतर इमारत को भूकंपरोधी बनाने के लिए योजना बनेगी। साथ ही, पीडब्ल्यूडी 30 अप्रैल तक एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसमें जांच में मिली खामियों का ब्योरा होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समयबद्ध निगरानी, संसाधनों का उचित आवंटन और जागरूकता अभियान जरूरी होंगे। सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि यह योजना कितनी तेजी और प्रभावी ढंग से जमीन पर उतरती है। योजना के लागू होने से भूकंप जैसी आपदाओं में भवनों के ढहने से होने वाली जनहानि और संपत्ति के नुकसान को कम किया जा सकेगा। मजबूत भवन संरचनाएं लोगों के लिए सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित करेंगी। अस्पतालों और पुलिस स्टेशनों जैसे आवश्यक ढांचों के रेट्रोफिटिंग से आपदा के दौरान भी ये सेवाएं चालू रह सकेंगी, ताकि राहत कार्यों में तेजी आएगी।बीते दिनों दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी इमारतों के फायर ऑडिट कराने का आदेश था। इसके तहत इमारतों को ऑडिट किया जा रहा है। दिल्ली में गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं ज्यादा होती हैं। इमारतों में आग लगने के 70 फीसदी मामले ऐसे होते हैं जिनमें तारों या उपकरणों में शॉर्ट सर्किट आदि के कारण हादसे होते हैं। ऐसे में दिल्ली सरकार ने बीते दिनों आदेश जारी कर सभी सरकारी इमारतों, अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का फायर ऑडिट कराने को कहा था। यह कदम दिल्ली अग्निशमन सेवा की ओर से जारी सलाह के बाद उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि 15 अप्रैल तक ऑडिट कार्य पूरा किया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक की खबरों पर मिशेल ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- जो मेरे लिए सही, वही चुना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा के उनके पति पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ तलाक की खबरें मीडिया में चल रही हैं। अब इसे लेकर मिशेल ओबामा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मिशेल ओबामा ने कहा है कि अब वे खुद पर ध्यान दे रही हैं, न कि वो कर रहीं, जो लोग उनसे

चाहते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के उनकी पत्नी मिशेल ओबामा के साथ तलाक की खबरें चल रही हैं। अब इन्हें लेकर मिशेल ओबामा ने अपनी बात रखी है। अभिनेत्री सोफिया बुश के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत में मिशेल ओबामा ने कहा कि बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से उनकी अनुपस्थिति की वजह खुद पर ध्यान देना है न कि तलाक।मिशेल ओबामा ने कहा कि 'अब मैं अपना कैलेंडर खुद नियंत्रित करती हूं। मैं खुद को यह आजादी कई वर्ष पहले भी दे सकती थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकी। मैंने बच्चों को बहाना बनाया और उन पर ध्यान दिया।' गौरतलब है कि बराक ओबामा और मिशेल ओबामा एक आदर्श दंपति माने जाते हैं, लेकिन बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से मिशेल ओबामी की गैरमौजूदगी से दोनों के तलाक की खबरों को बल मिला। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल ओबामा शामिल नहीं हुईं थी। साथ ही जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भी बराक ओबामा अकेले ही शामिल हुए थे। मिशेल ओबामा ने कहा कि 'मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही है, न कि वो, जो मुझे करना चाहिए था या दूसरे लोग मुझसे चाहते थे।' मिशेल ने कहा कि 'तलाक की अटकलें, लोगों की महिलाओं की आजादी की मांग को स्वीकार नहीं करने की आदत के चलते उठीं। मुझे लगता है कि यही वजह चीज है, जिससे हम महिलाओं के रूप में जूझते हैं। लोग ये नहीं समझ पाए कि मैं खुद पर ध्यान देने का विकल्प चुन रही हूं, लेकिन लोगों ने मान लिया कि मैं तलाक ले रही हूं।' उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बीते दिनों स्वीकार किया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान वे अपनी पत्नी के साथ रिश्ते पर ध्यान नहीं दे पाए। अपनी किताब 'मेमोर बिकमिंग' में भी दंपति ने बताया कि बराक ओबामा के राजनीतिक करियर के दौरान दोनों के रिश्तों में चिड़चिड़ापन आ गया था।

फ्रांस जून माह में फलस्तीन को दे सकता है मान्यता, फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों का बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फ्रांस लंबे समय से इस्राइल-फलस्तीन विवाद में टू-स्टेट सॉल्यूशन (द्वि-राज्य समाधान) का समर्थक रहा है। हालांकि फ्रांस द्वारा ऐसा करेंगे।' इमैनुएल मैक्रों ने हाल ही में मिस्त्र का भी दौरा किया था। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि 'हमारा लक्ष्य है कि हम सऊदी अरब के साथ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन उल्लेखनीय है कि करीब 150 देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, जिनमें आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन आदि भी शामिल हैं। इस्राइल द्वारा 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद

अगर फलस्तीन को मान्यता दे दी जाती है तो यह बड़ा नीतिगत बदलाव होगा और इससे इस्राइल के नाराज होने का भी खतरा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक मीडिया चैनल के साथ बातचीत में कहा कि फ्रांस फलस्तीन को मान्यता देने की योजना बना रहा है और इसे लेकर जून में न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में एलान कर सकता है। मैक्रों ने कहा कि 'हमें फलस्तीन को मान्यता देने की दिशा में आगे बढ़ना होगा और आने वाले कुछ महीनों में हम की अध्यक्षता करें, जहां हम कई पक्ष इसे मान्यता दें।' उन्होंने कहा कि 'मैं ये इसलिए करूंगा क्योंकि हमें लगता है कि ये करना सही होगा। फ्रांस द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने से इस्राइल के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकेगा।' फ्रांस लंबे समय से इस्राइल-फलस्तीन विवाद में टू-स्टेट सॉल्यूशन (द्वि-राज्य समाधान) का समर्थक रहा है। हालांकि फ्रांस द्वारा अगर फलस्तीन को मान्यता दे दी जाती है तो यह बड़ा नीतिगत बदलाव होगा और इससे इस्राइल के नाराज होने का भी खतरा है। जिस तरह से गाजा में बम बरसाए जा रहे हैं और हजारों लोग मारे गए हैं, उसके बाद बीते साल जून में स्लोवेनिया ने भी फलस्तीन को मान्यता दे दी। हालांकि फ्रांस अगर फलस्तीन को मान्यता देता है तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा क्योंकि यूरोपीय संघ में फ्रांस एक अहम देश है। मिस्त्र दौरे पर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव की भी आलोचना की, जिसमें ट्रंप ने गाजा को मध्य पूर्व का रिवेरा बनाने का वादा किया था। मैक्रों ने तंज कसते हुए कहा कि गाजा पट्टी कोई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं है।

एचपीवी टीकाकरण से सर्वाइकल कैंसर पर प्रहारः बेटियों को मिला सुरक्षा कवचः राज्यपाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सेक्टर 91 के पंचशील बालक इंटर कॉलेज में बुधवार को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के तहत बच्चियों को गर्डासिल वैक्सीन लगाई गई।यह अभियान आकांक्षा समिति गौतम बुद्ध नगर, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ओखला सिटी, फेलिक्स हॉस्पिटल और खूबसूरत डी, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से हुआ। इसका उद्देश्य बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है।इस अभियान के तहत 9 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की 500 से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई गई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद मा0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल राज्यपाल (उत्तर प्रदेश) ने दो साल पहले की स्मृति साझा करते हुए कहा जब मुझे एचपीवी वैक्सीन के बारे में जानकारी मिली तो इसकी कीमत 2500 रुपए थी। लेकिन सरकार की पहल के चलते अब यह 1500 रुपए में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन जीवन रक्षक है और इंडस्ट्री को भी अपने सीएसआर फंड का एक हिस्सा बेटियों के टीकाकरण पर खर्च

करना चाहिए। राज्यपाल ने कानपुर, गोरखपुर और नोएडा में हुए प्रयासों की सराहना की और कहा कि बच्चियों को गोद लेकर टीकाकरण कराना भी पुण्य का काम है। उन्होंने कहा कि अगर आप मंदिर नहीं जाते तो कोई बात नहीं। अपने बच्चों को स्वस्थ रखिए, क्योंकि बच्चे ही असली भगवान हैं। इस अवसर पर फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने जानकारी दी कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है, जो महिलाओं में पाया जाने वाला एक खतरनाक कैंसर है। हर साल लगभग 1.20 लाख महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की शिकार होती हैं। जिनमें से करीब 70 हजार की मौत हो जाती है। उन्होंने बताया कि वैक्सीन दो डोज में दी जाती है। दूसरी डोज पहली डोज के छह महीने बाद। 15 साल से अधिक आयु की बालिकाओं को तीन डोज लेना अनिवार्य है। सर्वाइकल कैंसर से लड़ाई में एचपीवी टीकाकरण एक बड़ा हथियार है। यह न केवल एक वैक्सीन है, बल्कि बेटियों को स्वस्थ जीवन और बेहतर भविष्य की सौगात भी है। समाज, सरकार, संस्थाएं और माता-पिता यदि मिलकर काम करें, तो वह दिन दूर नहीं जब कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भारत की बेटियों को छू भी नहीं सकेंगी।सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में तेजी से बढ़ने वाली बीमारियों में से एक है, लेकिन समय पर जागरूकता और एचपीवी टीकाकरण से इसे पूरी तरह से रोका जा सकता है। किशोरियों को समय पर यह टीका लगवाना न केवल उनके भविष्य को सुरक्षित करता है बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी का भी उदाहरण प्रस्तुत करता है। आकांक्षा समिति की जिलाध्यक्ष अंकिता राज ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि बेटियों को समय रहते इस बीमारी से सुरक्षित करें। वह खास तौर पर डॉ. अजय राणा का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने उनकी आठ साल की बेटी को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बेटा-बेटी भेदभाव की मानसिकता को जड़ से समाप्त करने की अपील भी की। यह टीकाकरण अभियान न केवल किशोरियों को सुरक्षित करने की दिशा में एक प्रयास है, बल्कि पूरे समाज में एक सकारात्मक स्वास्थ्य चेतना विकसित करने का माध्यम भी है। इस कार्यक्रम में सरकारी इंटर कॉलेजों की 500 से अधिक छात्राओं को टीका लगाया गया। मंच संचालन कक्षा आठवीं की छात्रा हैप्पी खुशी ने किया। जिन्होंने खुद भी टीका लगवाया और अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। वह बिल्कुल सामान्य महसूस कर रही है। कार्यक्रम का आयोजन आकांक्षा समिति, रोटरी क्लब और फेलिक्स अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, डीएम मनीष कुमार वर्मा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, उद्यमी, फोनरवा, शिक्षाविद उपस्थित रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

शक्ति कपूर से लेकर नवाब शाह तक, परदे पर खलनायक बने इन कलाकारों पर दिल हारीं ये हसीनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐसे कई सितारे हैं, जिन्होंने फिल्मों में अपने खलनयाक रोल से खूब सूर्खियां बटोरी हैं। आज जानेंगे उन अभिनेत्रियों के बारे में, जिन्हें

सिनेमा पर्दे के हीरो से नहीं, बल्कि विलेन से हुआ प्यार और रचाई शादी।सिनेमा की दुनिया में हीरो को हमेशा ज्यादा तवज्जो दी जाती है और दर्शक उन्हें ही अपना ज्यादा प्यार देते हैं। फिल्मों में हीरो के अपोजिट खलनायक के रोल में दिखने वाले अभिनेता, जो असल जिंदगी में बहुत दरियादिली इंसान होते हैं। आज जानेंगे उन अभिनेत्रियों के बारे में, जिन्हें सिनेमा पर्दे पर खलनायक से चर्चित अभिनेताओं से हुआ प्यार।टेलीविजन की दुनिया में मशहूर अभिनेत्रियों में शुमार निवेदिता भट्टाचार्य को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता केके मेनन से प्यार हो गया था। केके मेनन, जो अपने निगेटिव रोल के लिए जाने जाते हैं। बाद में दोनों कलाकार शादी के बंधन में बंध गए थे। अगर अभिनेत्री के काम की बात करें तो, उन्होंने टीवी सीरियल 'सात फेरे', 'कोई लौट के आया', जैसे शो में नजर आ चुकीं हहिंदी और मराठी फिल्मों से चर्चित अभिनेत्री रेणुका शहाणे की शादी पहले विजय केनकरे से हुई थी। फिर दोनों में ज्यादा दिनों तक सामंजस्य ना बैठ पाने के कारण रिश्ता टूट गया। इसके बाद अभिनेत्री को बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता आशुतोष राणा से प्यार हो गया। कई दिनों तक दोनों का प्यार चला फिर साल 2001 में दोनों ने शादी कर ली। अभिनेता अपने खलनायक रोल के लिए जाने जाते हैं शिवांगी कोल्हापुरे बॉलीवुड की ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अमिताभ बच्चन समेत कई कलाकारों के साथ काम किया है। शिवांगी ने अपने जीवन साथी के रूप में अभिनेता शक्ति कपूर को चुना, जो अपने खलनायक रोल के लिए सिनेमा की दुनिया में काफी चर्चित हैं। दोनों की एक बेटी है श्रद्धा कपूर, जो आज बॉलीवुड की मशहर अभिनेत्री है।अभिनेत्री पूजा बत्रा ने साल 2019 में अभिनेता नवाब शाह से शादी कर ली थी। अभिनेत्री को नवाब शाह से 43 की उम्र में प्यार हो गया था। फिर दोनों ने शादी कर ली थी। ये बात उस समय चर्चा का विषय बना हुआ था।

सनी देओल की किसान फिल्म में 'जवान' की आत्मा, काश गोपीचंद ने 12वीं में पढ़ाई न छोड़ी होती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। सनी देओल की फिल्म हो, और मुंबई में भी उसका प्रेस शो न हो तो फिल्म कारोबार पर नजर रखने वालों का चौंकना लाजिमी है। जो लोग फिल्म के बीती रात प्रीमियर का न्यौता पाए, उनसे भी विनती की गई कि रिव्यू सुबह सुबह मत लिख दीजिएगा। लोगों को लगा कि फिल्म वाकई बहुत खराब बनी होगी, लेकिन एक्शन फिल्मों के शौकीन लोगों के लिए खुशखबरी ये है कि ये फिल्म 'सिकंदर' जितनी बुरी नहीं है। हां, 'जवान' जितनी अच्छी भी नहीं है क्योंकि सनी देओल के पास न दीपिका पादुकोण हैं और न ही नयनतारा। इन दोनों के बीच डोलती फिल्म है 'जाट'। मूल आत्मा शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' की है। वर्दी की शान पर फिदा रहा एक अफसर सादे कपड़ों में भ्रष्टाचार मिटाने निकला है। हाथ में जो आता है, उसे ही हथियार बना लेता है। इज्जत गंवाने वाली युवतियों को वह बहन बनाता है। धरती के लिए गिड़गिड़ाती बुजुर्ग महिला को मां बनाता है। और, वादा करता है कि संभवामि युगे युगे फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी ने अगर अपनी पढ़ाई 12वीं में ही छोड़ न दी होती तो सनी देओल की फिल्म 'जाट' भी शाहरुख खान की 'जवान' जैसी सुपरहिट फिल्म बन सकती थी। गोपीचंद ने शायद सातवीं, आठवीं में भी नागरिक शास्त्र ठीक से नहीं पढ़ा। भारत में अभी संघीय व्यवस्था उस तरह लागू नहीं है जैसी कि अमेरिका में हैं। अपने राष्ट्रपति को अब भी किसी राज्य में कुछ करवाना हो तो केंद्रीय गृह मंत्रालय के जरिये ही करवाना होता है। और, सीबीआई की भी अपनी सीमाएं हैं। वह ईडी नहीं है कि जहां चाहे वहां छापा मार दे। फिल्म 'जाट' की कहानी उस दौर की

लगती है जब मनमोहन देसाई की फिल्मों में तीन हीरो एक दुखिया को 'डायरेक्ट' अपना खून दे दिया करते थे और क्लाइमेक्स अपना नाम ले लेकर गाना भी गा देते थे, लेकिन मजाल कि दर्शकों को इससे कोई शिकायत हो। उन दिनों भारत की साक्षरता दर करीब 35 प्रतिशत थी जो अब ग्रामीण इलाकों तक में ये दर 75 प्रतिशत के करीब पहुंच चुकी है। आंध्र प्रदेश के दो दर्जन तटीय गांवों में लंका से आए और प्रभाकरण जैसे दिखते एक उग्रवादी के लेफ्टिनेंट रहे आतंकी ने स्थानीय नागरिकता हासिल कर गदर काट रखा है। पुलिस उसके चंगुल में हैं। नेताओं का उस पर आशीर्वाद है। और, ये सब वह कर रहा है एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को मदद पहुंचने के लिए। न कोई न्यूज चैनल इसे देख पा रहा है और सोशल मीडिया पर डाला गया वीडियो भी सीधे उन्हीं को दिखता है जिनके खिलाफ ये बना है।फिल्म 'जाट' की कहानी 50 साल पुराने भारत में गढ़ी गई लगती है। नए भारत का इससे कोई लेना देना नहीं सिवाय इसके कि आंध्र प्रदेश के गांव से चला एक कोरियर 24 घंटे में दिल्ली पहुंच जाता है। स्पीड पोस्ट अब भी इस देश में पहुंचने में तीन-चार दिन लगाती है। हां, राष्ट्रपति के सामने जो पैकेट पहुंचा है उसमें एक बच्ची की चिट्ठी है, जो मदद मांग रही है। राष्ट्रपति के आदेश पर मौके पर जांच करने जब तक सीबीआई अफसर पहुंचे, उस बीच अयोध्या से लौट रही ट्रेन में सफर कर रहा एक ढाई किलो के हाथ वाला जाट बदमाशों की सिर्फ इसलिए धुलाई करता रहता है कि उन्होंने उसकी इडली की प्लेट गिराकर 'सॉरी' नहीं बोला। आधी पिक्चर इस 'सॉरी बोल' पुराण में गुजर जाती है। इंटरवल के बाद निर्देशक को याद आता है कि फिल्म में एक कहानी भी होनी चाहिए, एक डांस आइटम भी होना चाहिए और जाट जातिसूचक न लगे तो हीरो की एक फ्लैशबैक स्टोरी भी होनी चाहिए। बस फिल्म यहीं लड़खड़ा जाती है। 'बेबी जॉन' का कोई गाना आपको याद आ रहा हो तो याद रखिए कि उस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्ट थमन एस ने ही 'जाट' का भी म्यूजिक दिया है, नहीं याद आ रहा तो कोई बात नहीं, याद इस फिल्म का भी कोई गाना आपको नहीं रहने वाला।'पुष्पा' फ्रेंचाइजी बनाने वाली कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने जो सोचकर इस फिल्म में पैसा लगाया होगा, उस सोच के हिसाब से वह मुनाफा कमा चुके ही होंगे। फिल्म के ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स खरीद चुका है। बाकी सैटेलाइट और म्यूजिक राइट्स वगैरह जी स्टूडियोज ने इसमें अपनी पत्ती लगाकर खरीद लिए हैं। फंसेंगे इसमें पीपल मीडिया फैक्ट्री वाले क्योंकि 'पीपल' अगर ये फिल्म देखने उतनी तादाद में नहीं आए, जितनी तादाद में इसके शोज रखे गए हैं तो मुश्किल होगी। सनी देओल की ये पहली फिल्म है जो एक साथ साढ़े तीन हजार से ऊपर स्क्रीन्स में रिलीज हुई है। कोई सौ करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म की ओपनिंग अगर 20 करोड़ के ऊपर हो गई तो ही इसकी नैया पार लगेगी, लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा। इसमें थोड़ा योगदान उर्वशी रौतेला का भी रहेगा, जिनके आइटम सॉन्ग ने एक अच्छी खासी ए लिस्टर फिल्म को बी ग्रेड जैसी मूवी बना दिया। सनी देओल जैसे अच्छे खासे ब्रांड का बेड़ा गर्क करना इसी को कहते हैं। उर्वशी रौतेला पर फिल्माया गया ये आइटम नंबर फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी है। 67 साल के हो चुके सनी देओल को बार बार स्लो मोशन में दिखाना फिल्म निर्देशक की मजबूरी है या वाकई सनी देओल एक बार में सौ कदम सीधे नहीं चल सकते, ये गोपीचंद मलिनेनी ही बता सकते हैं। लेकिन, अगर पूरी फिल्म से स्लो मोशन के शॉट्स निकाल दिए जाएं तो ये फिल्म 90 मिनट की बढ़िया एक्शन फिल्म बन सकती है। कुल मिलाकर इसमें चार एक्शन डायरेक्टर है। साउथ वाले राम लक्ष्मण हैं, पीटर हाइन भी हैं और सबने मिलकर आपस में फिल्म के कोई दो दर्जन एक्शन सीक्वेंस में से छह-छह बांट लिए दिखते हैं। अब इस फिल्म में कहानी बस इन सारे एक्शन सीन्स को जोड़ने के लिए चाहिए और ये कहानी चूंकि शीर्षासन की तरह खुलती चलती है लिहाजा दर्शकों के मन में तनाव बढ़ते रहना लाजिमी है। दर्शक सनी देओल की एंट्री आदि पर तालियां बजाएंगे या नहीं तो इसका इंतजाम निर्देशक ने खुद कर रखा है। ऐसे सीन्स के लिए कहीं उपेंद्र लिमये तमाशा सजाते हैं तो कहीं हीरो के आने से आते बहार से डरे सहमे पुलिस वाले। उनके किरदार की बैकस्टोरी बहुत हास्यापद है। पंजाब से साउथ घूमने निकले किसान को साउथ में लोगों के हाथों से छिनती जमीन देखकर आया गुस्सा ज्यादा तार्किक कहानी होती। फिल्म में सनी देओल के बाद सबसे शानदार काम जिस कलाकार ने किया है, वह हैं रेजिना कसांड्रा। वह डॉन वाले शाहरुख खान की जंगली बिल्ली जैसी हैं। राणातुंगा की पत्नी बनी हैं। खास मौकों पर शायद तमिल में ही अपने संवाद बोलती हैं, इनका अनुवाद भी परदे पर सब टाइटल्स के तौर पर नहीं आता। इतनी बला की खूबसूरत महिला का किरदार खराब करने में भी फिल्म बनाने वालों ने कोर कसर नहीं छोड़ी। वह अपने घर में घुसी महिला पुलिस कर्मियों को अपने पति के गुंडों से बलात्कार कराती है! और, पति उसका तमिल है लेकिन हिंदी फर्राटेदार बोलता है। कहीं कोई साउथ इफेक्ट नहीं। देवर विनीत कुमार सिंह बने हैं। मेन विलेन के बेस्ट साइड किक का उनका किरदार पूरी फिल्म में कोई खास असर छोड़ता नहीं है। उनके किरदार की वैल्यू थाने में लटकी 30 लाशों में बस एक गिनती और है। जगपति बाबू, मुरली शर्मा, बबलू पृथ्वीराज, मुश्ताक शेख और राम्या कृष्णन जैसे नाम भी यहां बस गिनती बढाने के लिए ही हैं। हां, रणदीप हुड्डा भी हैं।

फवाद खान के बॉलीवुड में वापसी पर सनी देओल ने रखी राय, बोले- राजनीति की तरफ नहीं जाउंगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान के भारत में काम करभारत में पाकिस्तानी कलाकारों के काम करने पर कथित तौर पर पाबंदी है लेकिन पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान फिल्म 'अबीर

गुलाल' से बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। अब इस मामले पर बहस छिड़ गई है। सनी देओल जो अपनी फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं, उनसे पूछा गया कि इस मामले पर उनकी क्या राय है? सनी देओल ने फवाद खान की वापसी पर बयान देते हुए कहा कि एकता और अवसर होने चाहिए।बॉर्डर' और 'गदर' के लिए मशहूर अभिनेता सनी देओल से एचटी सिटी ने पूछा कि क्या आप बॉलीवुड में फवाद खान का सपोर्ट करेंगे? इस पर सनी देओल ने जवाब दिया 'मैं राजनीति की तरफ नहीं जाउंगा क्योंकि वहां चीजें बहुत अस्त-व्यस्त हैं। हम अभिनेता हैं; हम पूरी दुनिया में सभी के लिए काम करते हैं। चाहे कोई देखे या न देखे, हम सभी के लिए हैं। दुनिया जिस तरह की हो गई है, हमें पूरी दुनिया के लिए दरवाजे खोलने चाहिए और ज्यादा देशों को इसमें शामिल होने देना चाहिए।' साल 2016 में पाकिस्तानी कलाकारों पर भारत में काम करने पर कथित तौर से पाबंदी लगा दी गई थी। हालांकि इस बारे में किसी की तरफ से कोई अधिकारिक बयान नहीं आया। साल 2013 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने अधिकारिक तौर पर पाकिस्तानी कलाकारों पर भारत में काम करने पर पाबंदी लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया था।फवाद खान की बात की जाए तो उन्होंने 'खूबसूरत', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'कपूर एंड संस' से लोगों का दिल जीता है। वह वाणी कपूर के साथ आरती एस बगड़ी की फिल्म 'अबीर गुलाल' से वापसी करने के लिए तैयार हैं। ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म इसी साल 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्रतीक गांधी-पत्रलेखा की फिल्म 'फुले' की रिलीज टली, जानिए अब कब सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली।समाज सुधारक ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म

'फुले' अपनी रिलीज से ठीक पहले अब आगे बढ़ गई है। जानिए क्या है इसके पीछे की वजह और अब कब रिलीज होगी फिल्म।प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म 'फुले' का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब इस फिल्म के चाहने वालों के लिए झटका देने वाली खबर है। क्योंकि रिलीज से ठीक पहले फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया है। अब ये फिल्म अपनी निर्धारित तिथि 11 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज आगे बढ़ने की एक प्रमुख वजह फिल्म को लेकर उठे राजनीतिक विवाद को माना जा रहा है। जिस वजह से फिल्म अब दो हफ्ते आगे बढ़ गई है।समाज सुधारक ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्री फुले के जीवन पर आधारित 'फुले' पहले 11 अप्रैल को रिलीज होनी थी। लेकिन अब मेकर्स ने ये साफ कर दिया है कि फिल्म 11 अप्रैल को नहीं बल्कि 25 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले अचानक फिल्म को आगे बढ़ाने की वजह तो अभी साफ नहीं हुई है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि इसके आगे बढ़ने की वजह फिल्म को लेकर उठ रहा विवाद हो सकता है। फिल्म में ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जाति और लैंगिक अन्याय को लेकर किए गए संघर्ष को दिखाया गया है।फिल्म को लेकर कुछ एक ब्राह्मण समुदायों ने आपत्ति जताई। इनका कहना है कि फिल्म ब्राह्मणों को बदनाम करने का प्रयास करती है। साथ ही जातिवाद को बढ़ावा देती है। ब्राह्मण समुदायों की ओर से ये भी कहा गया कि फिल्म में अश्वेत ब्राह्मण समुदाय की मदद को दिखाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि फिल्म की कहानी एकतरफा जान पड़ती है, जबकि इसे समावेशी होना चाहिए।हालांकि, मेकर्स की ओर से इसे गलतफहमी का शिकार बताया गया। इसको लेकर मेकर्स ने महाराष्ट्र सरकार में भी बात की। बाद में सेंसर बोर्ड यानी कि सीबीएफसी की ओर से निर्माताओं को फिल्म में बदलाव करने को कहा गया। सेंसर बोर्ड ने फिल्म से जाति व्यवस्था पर चर्चा करने वाले वॉयसओवर को हटाने को कहा। साथ ही 'महार', 'मांग', 'पेशवाई' और 'जाति की मानुस व्यवस्था' जैसे शब्दों को हटाने की भी मांग की है, जिन्हें संवेदनशील माना जाता है।

कैटरीना कैफ ने बांधे शाहरुख खान की तारीफों के पुल, बोलीं- हम इस बात से सहमत हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली।बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने एक इवेंट के दौरान कई फिल्मों में उनके को-स्टार रहे शाहरुख खान की जमकर तारीफ की। क्या आप है इस बात से सहमत...फिल्म 'जब तक है जान'

के अलावा कई फिल्मों में एक साथ काम कर चुके कैटरीना कैफ और शाहरुख खान की जोड़ी को फैंस ने हमेशा प्यार दिया है। उनकी फिल्मों की कहानी से लेकर फिल्मों के गाने आज भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। एक इवेंट के दौरान कैटरीना ने शाहरुख की जमकर तारीफ की, जिसे सुनकर आप भी जरूर सहमत होंगे। न्यूज 18 की एक खबर के मुताबिक, एक पुराने इंटरव्यू में कैटरीना ने शाहरुख खान की प्रशंसा करते हुए कहा था कि 'शाहरुख खान बेहद बुद्धिमान हैं और साथ ही उनकी नॉलेज काफी अच्छी है।' पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, एक इंटरव्यू के दौरान रैपिड फायर राउंड के दौरान कैटरीना ने शाहरुख की जमकर तारीफ की थी। कैटरीना ने कहा, 'शाहरुख खान को हर चीज की जानकारी रहती है। वह हमेशा की तरह बुद्धिमान हैं। एक दूसरे के साथ बाते करना हमारे लिए हमेशा फायदेमंद और जानकारी वाला रहता है।' कैटरीना ने आगे कहा, 'शाहरुख से बात करना हमेशा से ही ऐसा लगता है कि आप किसी बुद्धिमान व्यक्ति से बात कर रहे हो।'जब तक है जान' और 'जीरो' जैसी फिल्मों में शाहरुख खान और कैटरीना कैफ की जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा। हालांकि, निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म 'जीरो' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन 'जब तक है जान' में शाहरुख और कैटरीना का रोमांस आज भी दर्शकों को रोमांचित कर देता है। इस फिल्म में शाहरुख और कैटरीना के अलावा अनुष्का शर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई थी।कैटरीना को आखिरी बार फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया था। इस मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म में कैटरीना के अलावा साउथ अभिनेता विजय सेतुपति ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं, शाहरुख खान अपनी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में किंग खान की बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद करेंगे। इस एक्शन थ्रिलर में सुहाना के अलावा अभय वर्मा और अभिषेक बच्चन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आखिर क्यों सबा आजाद ने ऋतिक को बताया 'बेस्ट फूल'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। ऋतिक रोशन अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ इन

दिनों यूएस में छुट्टियां बिता रहे हैं। इस दौरान दोनों ठंड से ठिठुरते नजर आए। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि सबा ने ऋतिक को फूल बता दिया। ऋतिक रोशन और सबा आजाद बी-टाउन के चर्चित कपल हैं। दोनों अक्सर एक-दूसरे को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं और प्यार जताते रहते हैं। इन दिनों कपल अमेरिका में है। जहां ऋतिक रोशन अपने टूर पर भी हैं, साथ में कपल छुट्टियों का भी मजा ले रहा है। इस दौरान सबा आजाद ने ऋतिक के साथ कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। तस्वीरों में कपल साथ में छुट्टियां एंजॉय करते दिख रहा है। सबा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दो तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर में सबा और ऋतिक एक साथ खड़े दिख रहे हैं। एक-दूसरे को बाहों में समेटे हुए सबा ने ये मिरर सेल्फी ली है। तस्वीर किसी शॉपिंग मॉल में ली गई प्रतीत होती है। दोनों ठंड के हिसाब से कपड़े पहने हुए हैं। ऋतिक ब्लैक जींस के साथ ब्लैक जैकेट डाले हुए हैं और गले में ब्राउन कलर का मफलर और सिर पर एक कैप भी लगाए हुए हैं।

पूरव झा ने खोले 'इंडियाज गॉट लैटेंट' के राज, युजवेंद्र चहल के साथ शो में क्या हुआ था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। कॉमेडियन और यूट्यूबर पूवर झा ने हाल ही में इंडियाज गॉट लैटेंट के एक रिलीज

न हो सके एपिसोड के बारे में खुलकर बात की। उस एपिसोड का हिस्सा युजवेंद्र चहल थे।यूट्यूबर और कॉमेडियन पूरव झा ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ एक अनरिलीज्ड एपिसोड की मजेदार कहानी साझा की है। यह एपिसोड 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो का हिस्सा था, जो अभी तक रिलीज नहीं हुआ। पूरव ने मेनएक्सपी को दिए इंटरव्यू में कहा कि चहल के साथ शूटिंग में बहुत मजा आया और कॉमेडियन समय रैना ने उनकी खूब टांग खींची।पूरव ने चहल की तारीफ करते हुए कहा, ठवह एक दम यंग और बहुत ही मजेदार इंसान हैं। उनके साथ ऐसा लगा जैसे मैं अपने स्कूल के दोस्त के साथ बैठा हूं। वह बिल्कुल साधारण और हंसमुख हैं। हम दोनों बैकबेंचर्स की तरह मस्ती कर रहे थे।ठ पूरव ने साझा किया कि चहल की सादगी और कूल अंदाज ने सेट पर सबको उनका फैन बना दिया। हालांकि, यह एपिसोड अभी तक सामने नहीं आया है। इसकी वजह शो से जुड़ा विवाद है। समय रैना, कंटेंट क्रिएटर अपूर्व मखीजा, और यूट्यूबर्स आशीष चंचलानी व रणवीर अल्लाहबादिया की वजह से इस शो को लेकर हाल ही में हंगामा मच गया था। इसके बाद समय ने शो के सारे एपिसोड प्लेटफॉर्म से हटा दिए थे। पूरव ने रिलीज न हो सके एपिसोड को लेकर कहा, ठहम तो बच गए थे, हमारा कुछ नहीं हुआ, लेकिन समय भाई ने युजी भाई की खूब चुटकी ली थी, लेकिन अब इस शो पर बहुत विवाद हो गया है।पूरव के लिए यह एपिसोड रिलीज न होना खुशी और गम दोनों लेकर आया। उन्होंने कहा, ठमुझे समझ नहीं आता कि खुश रहूं या दुखी। फैंस कहते हैं कि वे मेरा एपिसोड देखना चाहते थे, लेकिन अब पुलिस और विवाद भी शो से जुड़ चुके हैं।ठ चहल के अलावा इस शो के अनदेखे एपिसोड्स में मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, फराह खान, अहसास चन्ना, विशाल ददलानी और भुवन बाम जैसे सितारे भी शामिल थे।

एसीपी की मौत वाले एपिसोड में इस कलाकार ने लगाया सीन चोरी का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। हाल ही में टेलीविजन शो 'सीआईडी' के एक एपिसोड में

एसीपी प्रद्युम्न की मौत की घटना दिखाई गई थी। अब एक कलाकार ने खुलासा किया है कि इसी एपिसोड के कुछ सीन्स में 'सीआईडी' ने उनके आर्ट का प्रयोग किया है। आइए जानते हैं क्या है पूरी खबर।'सीआईडी' में एसीपी प्रद्युम्न के किरदार की मौत से शो की काफी चर्चा है। इसे लेकर नटिजंस बहुत नाराज भी हैं। हाल ही में एक कलाकार ने बताया कि उनके वीडियो के कुछ सीन्स को 'सीआईडी' ने एसीपी की मौत वाले एपिसोड में प्रयोग किया है। आइए जानते हैं आखिर किसने लगाया ये आरोप और क्या है वह सीन पिछले कई सालों से अभिनेता शिवा साटम 'सीआईडी' में एसीपी प्रद्युम्न का किरदार निभाते आ रहे थे। अब शो के हालिया एपिसोड में उनकी हत्या कर दी गई। इसी एपिसोड पर अब एक ग्रैफिटी आर्टिस्ट मूज ग्रैफिटी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक क्लिप शेयर करते हुए अपने क्लिप के चोरी के आरोप लगाए हैं।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।